सुविचार
अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।
प्रेमचंद

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष 2 ■ अंक 324 ■ जबलपुर, शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

26 मंत्रियों ने भी शपथ ली; इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरां

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री

पटना। नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में गुरुवार को हुए भव्य समारोह में PM नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, 2 लोजपा (R) से जबकि हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शपथ समारोह में शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं। संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को हराया था।

बीजेपी से नए चेहरों को मौका

अशोक चौधरी, सुनील कुमार, विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार, विजय चौधरी, मदन सहनी, लखेंद्र पासवान, श्रेयसी सिंह, अरुण शंकर प्रसाद, राम कृपाल यादव, जमा खान, संजय टाइगर, उपेन्द्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश शपथ के के लिए मंच पर पहुंच गए हैं। बीजेपी से सभी नए चेहरे हैं।

ज्योतिषाचार्य अरुण बोले- शुभ मुहूर्त में शपथ ग्रहण नहीं- ज्योतिषाचार्य अरुण ने कहा, नीतीश कुमार सीएम के रूप में आज शपथ लेने जा रहे हैं, लेकिन आज कोई मुहूर्त नहीं है। आज माशांत दोष है। अमावस्या है। इसलिए कोई मुहूर्त का कोई सवाल ही नहीं है। ये हड़बड़ी

में लिया गया निर्णय है। 12 बजकर 12 मिनट के अंदर शपथ ली जा रही है। जबकि 10 बजकर 26 मिनट से 12 बजकर 12 मिनट तक मकर लग्न चलेगा। इस लग्न में किए गए काम जल्द समाप्त होते हैं। ये लंबे समय तक चलने वाला गठबंधन नहीं प्रतीत होता है। बिहार बहुत सारी सत्ता को देखेगा। शपथ ग्रहण समारोह में ठऊअ की ओर शक्ति प्रदर्शन भी होगा। 3 लाख से अधिक लोगों के जुटने की संभावना है। इसको लेकर जदयू, बीजेपी, रालोमो और हम के कार्यकताओं और नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। हर विधायक को 5-5 हजार लोगों को पटना लाना है। राजजभवन में ढट के सम्मान में भोज होगा। यहां नरेंद्र मोदी के साथ 150 खास मेहमान रहेंगे। ताज, मौर्या, चाणक्या जैसे होटलों में 260 कमरे बुक कराए गए हैं। गांधी मैदान के आसपास के सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।

महिला बोली- हम चाहते थे नीतीश कुमार ही C M बने- रीता देवी ने कहा, 'हम लोग बहुत खुश हैं। हम चाहते थे कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बने उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ाने में काफी कुछ किया है।'
BJP सांसद मनोज तिवारी समारोह में शामिल होने पटना पहुंचे
मनोज तिवारी ने कहा, ऐतिहासिक क्षण है। सबको को बधाई।
बिहार को धन्यवाद है। 10वीं बार नीतीश जी आज शपथ लेंगे। बिहार ने स्पष्ट किया है कि जो विकास करेगा उसी के साथ बिहार रहेगा। पूरी दुनिया में बिहार ने संदेश दिया है। गुंडागर्दी नहीं बल्कि जो जनता के लिए हितैषी होंगे उसको बिहार चुनेगा। तेजस्वी के शपथ ग्रहण में आने के सवाल पर कहा, उन्हें आना चाहिए। राजनीति में हार-जीत से अलग होकर जनता के लिए बने रहना चाहिए। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। इसके साथ ही 16 राज्यों के मुख्यमंत्री समारोह में मौजूद रहेंगे। इनमें यूपी के योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडनवीस, मेघालय के कॉनराड संगमा, उड़ीसा के मोहन चरण मांझी, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, गोवा के प्रमोद सावंत, दिल्ली की रेखा गुप्ता, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, त्रिपुरा के माणिक साहा और मणिपुर के एन. बीरेन सिंह शामिल हैं। गांधी मैदान में एंट्री के लिए 13 गेट हैं। गेट नंबर वन सिर्फ श्श्क्ख गेस्ट के लिए है। इस गेट से वे लोग ही गांधी मैदान जाएंगे, जिन्हें मुख्य मंच पर बैठना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम नीतीश कुमार, राज्यपाल, मंत्री पद की शपथ लेने वाले विधायक और विभिन्न राज्यों के सीएम जैसे श्श्क्ख की एंट्री इसी गेट से होगी। आम लोगों को दूसरे गेट से गांधी मैदान में प्रवेश मिलेगा।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी	14. सुनील कुमार
2. विजय कुमार सिन्हा	15. मो० जमा खान
3. विजय कुमार चौधरी	16. संजय सिंह 'टाइगर
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव	17. अरुण शंकर प्रसाद
5. श्रवण कुमार	18. सुरेन्द्र मेहता
6. मंगल पाण्डेय	19. नारायण प्रसाद
7. डॉ० दिलीप जायसवाल	20. रमा निषाद
8. अशोक चौधरी	21. लखेन्द्र कुमार रौशन
9. लेशी सिंह	22. श्रेयसी सिंह
10. मदन सहनी	23. डॉ० प्रमोद कुमार
11. नितिन नवीन	24. संजय कुमार
12. राम कृपाल यादव	25. संजय कुमार सिंह
13. संतोष कुमार सुमन	26. दीपक प्रकाश

सुबह से ही बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

आज सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक पटना का ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। इमरजेंसी वाहनों को छोड़कर अन्य दूसरे वाहनों को गांधी मैदान के इलाके में प्रतिबंधित कर दिया गया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से अभी से ही गांधी मैदान की ओर आने वाली एक लेन में बैरिकेडिंग कर दी गई है। शपथ समरोह के लिए NDA शासित राज्यों के उट को न्योता भेजा गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी बुलाया गया है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की उट रेखा गुप्ता, उत्तराखंड के उट पुष्कर सिंह धामी, मध्यप्रदेश के उट मोहन यादव, राजस्थान के उट भजन लाल शर्मा, महाराष्ट्र के उट देवेंद्र फडणवीस सहित भाजपा और ठऊअ शासित राज्यों के उट और डिप्टी उट को निमंत्रण भेजा गया है। कार्यक्रम में पद्मभूषण, पद्मश्री सम्मान पाने वाले लोगों, वैज्ञानिकों, साहित्यकारों सहित अन्य खास लोगों को इनवाइट किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में दो मंच बनाए गए हैं। मुख्य मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शपथ लेंगे। इसी मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और ठऊअ के शासन वाले राज्यों के सीएम बैठेंगे।

अब हेलिकॉप्टर से पहुंचे कान्हा, बांधवगढ़

भोपाल। मध्यप्रदेश में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की शुरूआत आज, गुरुवार से हो गई है। टूरिस्ट 3 टाइगर रिजर्व- कान्हा, बांधवगढ़-रळफ (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) के साथ ईको टूरिज्म सेक्टर और स्पिरिचुअल सेक्टर में हेलिकॉप्टर से जा सकेंगे। सप्ताह में 5 दिन तक उड़ान रहेंगी। बुधवार और गुरुवार को उड़ान नहीं है। इसलिए आज ट्रायल हो रहा है। इस दिन मंत्री, सांसद, विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधि हेलिकॉप्टर में बैठे, जबकि कल, शुक्रवार से हेलिकॉप्टर आम लोगों के उड़ेंगे। 1 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेवा की औपचारिक शुरूआत कर दी थी, लेकिन नियमित उड़ानें 20 नवंबर से शुरू होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस कार्यक्रम में 20 नवंबर से हेलिकॉप्टर सेवा की शुरूआत करने की बात कही थी, लेकिन शेड्यूल में आज का दिन शामिल नहीं है। इसलिए आम व्यक्तियों के लिए बुकिंग नहीं की गई है।

डबल इंजन वाले हेलिकॉप्टर

नई हेलिकॉप्टर सेवा में शामिल सभी हेलिकॉप्टर डबल इंजन वाले हैं। ताकि, उसमें बैठे यात्री सुरक्षित रह सके। सुरक्षा के पैमाने जानने के लिए जनप्रतिनिधियों को पहले भोपाल से पचमढ़ी, मढ़ई के लिए सांसद दर्शनसिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक ठाकुर दास नागवंशी, विजय पाल सिंह आदि ने सफर किया। बकायदा, इनका वजन कितना है? यह भी जांचा गया। ताकि, हेलिकॉप्टर में ज्यादा वजन न हो। छोटे-छोटे रूट्स बनाए गए हैं। ताकि इमरजेंसी लैंडिंग की सुविधा हो। यही बैकअप स्थान चिन्हित किए गए हैं। एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सुबह 11.20 बजे इस सेवा का शुभारंभ किया। अब जबलपुर से कान्हा, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, धार्मिक स्थल मैहर, चित्रकूट और अमरकंटक पहुंचना आसार होगा। यह सेवा सप्ताह में पांच दिन रहेगी। केंद्रीय विमानन मंत्रालय और मप्र पर्यटन बोर्ड की देखरेख में फ्लाई ओला कंपनी इसका संचालन करेगी। जबलपुर से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटक उड़ान भर सकेंगे। इस मौके पर मंत्री सिंह ने कहा कि महाकौशल टूरिस्ट हब है। जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

NRI महिला डिजिटल अरेस्ट का शिकार

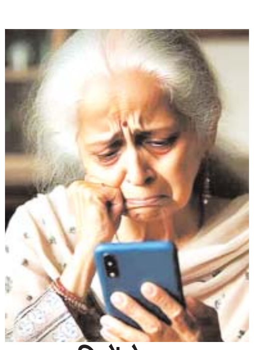

शातिरों ने CBI अधिकारी बनकर लगाया 80 लाख का चूना

राजनांदगांव। छत्तीसगढ के राजनांदगांव शहर की पॉश कॉलोनी सन सिटी में ह्यडिजिटल अरेस्टह्न के माध्यम से ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। अमरीका से लौटी एक प्रवासी भारतीय (एनआरआई) महिला को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अधिकारी बनकर जालसाजों ने झांसा दिया और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच का डर दिखाकर उनसे अलग-अलग खातों में 80 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। बैंक कर्मचारियों की चेतावनी के बावजूद महिला ने डर के कारण यह बड़ी रकम जालसाजों के खातों में भेज दी। कोतवाली टी.आई. नंद किशोर गौतम ने मंगलवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एनआरआई महिला शीला सु बाल के पास एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और महिला को उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जाँच शुरू करने की धमकी दी। इसके तुरंत बाद, एक अन्य कॉलर ने खुद को जांच अधिकारी बताते हुए पीड़िता से संपर्क किया। इस व्यक्ति ने महिला से कहा कि जाँच पूरी होने तक उनके खातों में मौजूद सभी रकम को उनके दिए गए खातों में सुरक्षित रखना होगा। उसने वादा किया कि जाँच में कोई गड़बड़ी नहीं पाए जाने पर पूरी रकम महिला के खाते में वापस ट्रांसफर कर दी जाएगी। इस ह्यडिजिटल अरेस्टह्न और कानूनी कार्रवाई के डर से पीड़िता ने जालसाजों की बात मान ली। बैंक कर्मियों ने महिला को इतनी बड़ी रकम ट्रांसफर करने से बहुत रोका और चेतावनी भी दी लेकिन डर के कारण महिला ने किसी की नहीं सुनी और पीड़िता ने अपने अलग-अलग बैंक खातों में मौजूद कुल 80 लाख रुपए धोखेबाजों द्वारा दिए गए खाते नंबरों पर ट्रांसफर कर दिए। कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर संबंधित मोबाइल नंबरों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। टीआई. गौतम ने बताया कि पुलिस साइबर ठगी के इस बड़े मामले की गहन जांच कर रही है।

हर शख्स का काम तय; शाहीन ब्रेनवॉश करती, नबी तय करता- कहां काम लेना है

दिल्ली ब्लास्ट- आतंकी मॉड्यूल में मुजम्मिल करता था रिक्रूटमेंट

फरीदाबाद। फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में चल रहे आतंकी मॉड्यूल से जुड़ी कुछ नई जानकारियां सामने आई हैं। इस मॉड्यूल से जुड़े सभी प्रमुख डॉक्टरों की ड्यूटी तय थी। आतंक का नेटवर्क खड़ा करने में डॉ. मुजम्मिल शकील की अहम भूमिका रही है, जो लोगों को शॉर्टलिस्ट करने के बाद रिक्रूट करता था। नए लोगों को शामिल करने के बाद डॉ. शाहीन सईद और डॉ. उमर नबी उनकी आर्थिक मदद करते और ब्रेनवॉश करते थे। मुजम्मिल यह काम मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों के घर मदद के बहाने जाकर करता था। अस्पताल के जिन कर्मचारियों के नाम इस नेटवर्क में शामिल हैं, उनके परिवार वालों ने खुलासा किया है कि मुजम्मिल इलाज या किसी अन्य बहाने उनके घर आया था। यूं तो मुजम्मिल यूनिवर्सिटी के इमरजेंसी वार्ड का सर्जन था, लेकिन पर्दे के पीछे उसकी भूमिका आतंकी मॉड्यूल में मदद करने

डॉ. मुजम्मिल शकील

वालों की टीम खड़ी करना था। वह यूनिवर्सिटी के अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और अस्पताल में काम करने वाले लोगों पर नजर रखता था। जरूरत पड़ने पर वह इलाज या अन्य तरीकों से लोगों से संपर्क करता और उनके घर की जानकारी जुटा लेता था। **नौकरी दिलवाकर भरोसा जीता:** जांच एजेंसियों ने धौज गांव के शोएब को हिरासत में ले रखा है। शोएब को मई 2024 में यूनिवर्सिटी में वार्ड बॉय की नौकरी मिली थी, जिसमें उसे 8 हजार रुपए महीना पगार मिलती थी। शोएब के पिता शोहराब ने दैनिक भास्कर एप की टीम को बताया कि करीब एक साल पहले मेडिकल विंग में शोएब डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में आया था। परिवार में किसी के बीमार होने पर शोएब उससे फोन पर बात करके दवाई पूछ लेता था। कुछ महीने पहले डॉ. मुजम्मिल उनके घर पर भी आया था। शोएब के जरिए आस-पड़ोस में कोई बीमार होता था तो वह मुजम्मिल से अस्पताल में आसानी से इलाज करवा देता था, जिसके कारण शोएब और डॉ. मुजम्मिल के गहरे संबंध बन गए थे। शोएब से अस्पताल में काम करने वाले स्टाफ की घर तक की जानकारी ली जाती थी। **काम के बहाने दोस्ती:** धौज के ही रहने वाले साबिर को ठक्ख और जम्मू पुलिस ने इस नेटवर्क में शामिल होने के चलते हिरासत में लिया है। साबिर की गांव में मोबाइल की दुकान है।

हाई क्वालिटी कलर प्रिंटर से छाप रहा था नकली स्टांप, 4 गिरफ्तार

भोपाल। यूज्ड स्टांप को धोकर उन्हें नया रूप देकर बाजार में खपाने वाले गिरोह के चार ठिकानों पर पुलिस ने छापामार कार्रवाई की है। यहां से पुलिस ने भारी मात्रा में यूज्ड और प्रिंट कर बनाए गए एडहेसिव स्टांप, अलग-अलग विभागों और अधिकारियों की दर्जनों सील और नोटरी की मोहरें बरामद की हैं। पुलिस ने इन चारों ठिकानों को सील कर दिया है। वहीं इस संगठित गिरोह के सरगना आरिफ के 10 नंबर स्थित बंगले पर भी कार्रवाई की गई। यहां नकली स्टांप छापने की एक पूरी फैक्ट्री चल रही थी। पुलिस ने आरिफ समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। 11 लोगों पर ऋक्रदर्ज की गई है। बता दें कि स्टिंग ऑपरेशन के जरिए इस पूरे मामले का पदार्फाश किया था। भास्कर ने बताया था कि किस तरह से यूज्ड स्टांप की सीरीज से छेड़छाड़ कर और एडहेसिव स्टांप पर लगी सील को केमिकल से साफ कर इनका दोबारा इस्तेमाल हो रहा है। इस तरह आम लोगों के साथ सरकार के राजस्व को भी चूना लगाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह एक संगठित अपराध है और आरिफ की फैक्ट्री से इन फर्जी स्टांप की सप्लाई कहां-कहां होती थी, इसकी जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है।

पहला खुलासा: 18 नवंबर- अपनी पहली रिपोर्ट में बताया था कि यह गिरोह सरकारी दफ्तरों, बैंकों और रजिस्ट्रार कार्यालयों से मिलीभगत कर पुराने दस्तावेज हासिल करता है। इन दस्तावेजों पर लगे एडहेसिव स्टांप को सफाई से निकालकर उन्हें खास केमिकल से धोया जाता था, जिससे वे बिल्कुल नए जैसे दिखने लगते थे। इसके बाद इन्हें दोबारा बाजार में बेचकर सरकारी राजस्व को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा था। स्टिंग ऑपरेशन में बोर्ड ऑफिस के सामने मामा
1. खुरदरी सतह और पुरानी सील: मामा नोटरी से खरीदे गए एडहेसिव स्टांप की सतह असली स्टांप की तरह चिकनी और चमकदार नहीं, बल्कि खुरदरी थी। एक स्टांप के किनारे पर पुरानी नीली सील का हल्का निशान बाकी था। 2. यूवी लाइट में चमका पुराना गोंद: टिकटों को जब यूवी लाइट में जांचा गया।

सिवनी हवाला डकैती मामले में जमानत अर्जी खारिज; रिमांड अवधि समाप्त

DSP पंकज मिश्रा समेत 4 आरोपी जेल भेजे गये

सिवनी। सिवनी में 2 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपए की हवाला डकैती के आपराधिक षड्यंत्र में गिरफ्तार बालाघाट हॉक फोर्स के डीएसपी (एसडीओपी) पंकज मिश्रा, क्राइम ब्रांच के आरक्षक प्रमोद सोनी, जबलपुर के हवाला ऑपरेटर पंजू गिरी गोस्वामी और वीरेंद्र दीक्षित (पूजा पांडे के जीजा) को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी पुलिस रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद गुरुवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विक्रम सिंह डावर की अदालत में पेश किया गया था। न्यायाधीश ने चारों आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज करते हुए उन्हें 26 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। एसआईटी ने डीएसपी सहित सभी चारों आरोपियों को नगझर की जिला जेल में दाखिल कर दिया है। जेल रवाना होने के दौरान चारों आरोपी अपने मुंह पर फेस मास्क लगाए हुए थे।

पूजा पांडे के गनमैन को नरसिंहपुर से लाए

एसडीओपी पूजा पांडे के गनमैन केदार बघेल को नरसिंहपुर जेल से दो दिनों की पुलिस रिमांड पर सिवनी लाया गया था। रिमांड अवधि समाप्त होने पर उन्हें पुनः न्यायालय में पेश कर नरसिंहपुर जेल भेज दिया गया। एसआईटी ने गनमैन से घटना के दौरान आरोपियों से हुई मोबाइल बातचीत का पता लगाने और पूछताछ करने के लिए रिमांड ली थी। पुलिस रिमांड के दौरान एसआईटी ने सिवनी के पुलिस कंट्रोल रूम में आरोपियों से हवाला डकैती मामले में गहनता से पूछताछ की। हालांकि, पूछताछ में कोई नया तथ्य सामने आया है या नहीं, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। जबलपुर क्राइम ब्रांच के एएसपी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में एसआईटी की टीमें हवाला प्रकरण की छानबीन में जुटी हुई हैं, वहीं एसपी सुनील मेहता भी पुलिस कंट्रोल रूम में एसआईटी का सहयोग करने के लिए मौजूद रहे।

11 पुलिसकर्मी जेल में

इस प्रकरण में पूर्व एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मी पहले से ही जेल में हैं। अब आरोपियों की कुल संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इनमें डीएसपी (एसडीओपी) स्तर के दो पुलिस अधिकारियों के अलावा एक रक्, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के 13 पुलिसकर्मी शामिल हैं। जबलपुर का हवाला ऑपरेटर पंजू गिरी गोस्वामी और पूजा का बहनोई (जीजा) वीरेंद्र दीक्षित भी इस हवाला डकैती प्रकरण में आरोपी हैं। हवाला के पूरे घटनाक्रम ने पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। हालांकि प्रकरण में गठित जबलपुर एसआइटी और क्राइम ब्रांच का दल आरोपितों की गिरफ्तारी बाद नए तथ्यों को खोजने में जुटा है।

अक्टूबर माह में कब क्या हुआ- 8-9 अक्टूबर की रात सीलादेही के पास हवाला के 2.96 करोड़ रुपए लूटे। 9 अक्टूबर को जालना के संदीप परमार ने एसडीओपी व पुलिसकर्मियों पर रुपए की डकैती का आरोप लगाया। 9 अक्टूबर की देर रात जबलपुर आईजी ने संदिग्ध आचरण में एसआइ समेत नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित किया। 10 अक्टूबर को डीजीपी ने एनडीओपी पूजा पांडे को निलंबित किया। 11 अक्टूबर को देर रात हवाला के 1.45 करोड़ रुपए जब्त होने का प्रकरण? लखनवाड़ा थाने में दर्ज किया गया। 13 अक्टूबर को हवाला प्रकरण में जांच की समीक्षा करने जबलपुर आइजी और छिंदवाड़ा डीईजी सिवनी पहुंचे। 14 अक्टूबर को एसडीओपी, एसआई समेत 11 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर। 15 अक्टूबर को एसडीओपी पूजा पांडे समेत 10 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दो दिन पुलिस रिमांड में लिया गया।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

पन्नी से बनाई झोपड़ी में बुजबुजिया प्राइमरी स्कूल में पढ़ाई करने की जद्दोजहद

आदिवासी जिले में तेजी से हुआ विकास ये डिजिटल इंडिया की नई तस्वीर......

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। बैगा आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में नगर मुख्यायल से लेकर ग्रामीण अंचलो तक जो विकास हुआ वह देखते ही बनता जनता कोई भी मूलभूत सुविधाएं की अवस्कता नहीं जहाँ देखो वहाँ मंत्री विधायक सांसद ने विकास किया लोगों को बिन मांगे ही स्वच्छ पीने का पानी बिना गड्डो की सड़के बच्चों के अच्छी पढाई के लिए बड़े बड़े स्कूल भवन छात्रावास जिनमे गुणवत्ता युक्त भोजन इस जिले के जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की जितनी तारीफ करगे वह कम होंगी ! वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वन ग्राम घोड़ाडीह बुजबुजिया के भोले-भाले आदिवासी परिवारों के सैकड़ों बच्चों का भविष्य पांच वर्षों से बबार्दी की ओर, कागजी कार्यवाही के बाद भी किसी भी जिम्मेदार को नहीं है परवाह ।

आम आदमी पार्टी ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान जाना हाल।कलेक्टर सहित जिम्मेदारों को लिखा पत्र, वही विकासखंड मण्डला के अंतर्गत वन ग्राम घोड़ाडीह बुजबुजिया के प्राइमरी में आदिवासी बच्चे आज भी स्वच्छ हवा और साफ सुथरे वातारवरण में पन्नी से बनाई गई झोपड़ी में बैठकर उज्जवल भविष्य बनाने जद्दोजहद में पांच वर्षों से लगे हुए हैं। आम आदमी पार्टी कार्यकताओं ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों के हालचाल जानने के दौरान यह मामला पाया है। लगभग बीस साल पहले बना प्राइमरी शाला भवन जर्जर होकर गिर रहा है। सिल्पुरा ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम के इस शाला भवन की जर्जर हालत देखकर विभाग के अधिकारियों ने भी यहां पर कक्षाएं लगाने रोक लगाने फरमान दे तो दिए पर यह नहीं बताया, कि कक्षाएं लगाना कहां है।और तो और पोलिंग बूथ को भी यहां से अन्यत्र कर दिया गया है। तभी से बच्चों को अनेकों जगह बदल-बदलकर बैठाकर पढ़ाने की कोशिश यहां पर पदस्थ शिक्षकों के द्वारा की जाती रही है। मजबूरी इतनी है,कि कुछ महीने किसी ग्रामीण के बरामदे में तो, कुछ महीने बिना छत वाले खुले रंगमंच पर,तो कुछ महीने पेड़ के नीचे कक्षा लगाने के नाम पर पहली से पांचवीं तक की सभी कक्षाओं के बच्चों को बैठाकर पढाने की जद्दोजहद की जाती रही है ।

हल्की सी बारिश आते ही शाला परिसर में ही स्थित आंगनबाड़ी भवन के छोटे से एक मात्र कमरे में ही आंगनबाड़ी के लगभग पंद्रह बच्चे और प्राइमरी के इन सभी बच्चों को भींगने से बचाने की कोशिश की जाती है। हल्की सर्द हो या हल्की गर्मी बच्चे बिना सुरक्षित कमरों के बहुत परेशान हो जाते हैं। पढ़ाई हो नहीं पाती है।इस वर्ष तो गांव के कुछ जागरूक ग्रामीण और पालकों सहित शाला में पदस्थ शिक्षकों ने आपस में चंदा -बिरार करके कुछ लकड़ियां,पन्नी और हरे नेट खरीद कर झोपड़ी तैयार कराई है ।तभी से बच्चों को असुरक्षित माहौल में भी बैठाकर पढ़ाने को मजबूर हैं। इस झोपड़ी मे न ही बैठने के लिए समतल जगह है ,और न ही कहानी आदि की किताबें व्यवस्थित रखने सुरक्षित पुस्तकालय का इंतजाम ।भवन ही नहीं तो बिजली की तो बात ही नहीं। यहां पर पांच वर्षों से सिर्फ और सिर्फ जुगाड़ ही जुगाड़ से कामचलाऊ कक्षाएं लगाकर कामचलाऊ शिक्षा दी जा रही है। बच्चों से बातचीत करने पर बताया है,कि अच्छी सुविधाएं नहीं होने के कारण उनका मन पढ़ाई में बिल्कुल भी नहीं लगता है। ग्रामीणों और पालकों ने बताया, कि अन्य गांव के स्कूलों की दूरी लगभग चार किलोमीटर से ज्यादा है। इसलिए बच्चों को कहीं भेजकर पढ़ाने के लिए हम मजबूर रहते हैं।हमारे परिवार की माली हालत भी इतनी अच्छी नहीं है, कि कहीं और ले जाकर ठीक-ठाक स्कूलों में बच्चों को पढ़ा सकें। इस शाला भवन की जर्जर स्थिति के बारे में विभाग और कलेक्टर के पास पांच वर्षों से आवेदन निवेदन, यजनसुनवाई आदि लगातार करते आ रहे हैं ।एक दो बार अधिकारी दौरे पर आये जरूर पर अब तक इस समस्या का समाधान किसी ने भी नहीं कराया है।अब हम थके और ठगे अनुभव करते जा रहे हैं। पदस्थ शिक्षक का कहना है,कि मुझे तो नौकरी करनी है, मैं अपना शिक्षकीय कर्तव्य का निर्वहन करता आ रहा हूं।स्कूल रोज समय पर पहुंचकर शाम को साढ़े चार बजे तक सुरक्षित माहौल की चिंता किए बगैर ही बच्चों को जितना अच्छा संभव हो सकता है पढ़ाने का काम करता आ रहा हूं। विभाग को अनेकों बार लिखित में जानकारी दी जा चुकी हैं। नए भवन निर्माण की कोई जानकारी नहीं है। सचमुच बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पाने के लिए पर्याप्त सुविधाओं का यहां पर अभाव है।ऐसी परिस्थितियों में भी बच्चों के उज्जवल भविष्य की चिंता करना समाज के समग्र विकास के लिए सख्त जरूरी है।

पीने का पानी भी यहां पर फ्लोराइड वाला है

स्कूल के पास ही खुदे हैंडपंप ही कुछ दिनों के लिए एक मात्र सहारा है। जिसमें भी फ्लोराइड वाला पानी आता है। शुद्ध पानी नहीं मिलने के कारण फ्लोराइड युक्त पानी के उपयोग से बच्चों के दांत खराब होते जा रहे हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी हमेशा बिगड़ता रहता है ।उनका दिमाग भी कमजोर सा बना रहता है। जिसकी चिंता भी पालकों ने जताई है। फ्लोराइड युक्त पानी से ग्रामीणों के भी हाल बेहाल हैं। स्कूल परिसर में नल जल योजना के अंतर्गत स्ट्रक्चर मात्र बनाया दिया गया था ।वह भी टूट गया है। पानी सप्लाई कनेक्शन दिया ही नहीं गया है। किचिन शेड भी खराब हो चुका है। आंगनबाड़ी के किचिन शेड में मध्यान्ह भोजन पकाना पड़ रहा है। शौचालय भी टूट-फूटकर अनुपयोगी हो गया है। बच्चे ह्न बच्चियां खुले में शौच और पेशाब करने को मजबूर रहते हैं। यहां पर किसी भी प्रकार के खेल खेलने के लिए खेल मैदान भी नहीं है। स्कूल पक्की सड़क के किनारे पर बाउंड्री वॉल भी नहीं है,जिसके कारण बच्चे हमेशा असुरक्षित रहते है। आम आदमी पार्टी मण्डला ने इस गंभीर समस्या की ओर ध्यानाकर्षण कराने कलेक्टर मण्डला, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मण्डला और जिला शिक्षा केन्द्र समन्वयक को पत्र लिखकर अबोध आदिवासी बच्चों को शिक्षा अधिकार अधिनियम के अनुसार उनके हित में शीघ्र ही उचित व्यवस्था बनाए जाने का आग्रह किया है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पार्टी की ओर से चंद्रगुप्त नामदेव,डी .डी. कुमरे,डी.एस.वरकड़े, एस .के .परते,सहजान सिंह परस्ते और पी.डी. खैरवार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आखिर कैसे बचेगी नर्मदा?

एक तरफ पूजा: आरती, दूसरी तरफ प्रदूषण में लिप्त जिम्मेदार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला मुख्यालय मंडला में एक ओर माहिष्मती घाट पर प्रतिदिन नर्मदा आरती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। घाट को सजाया-संवारा जा रहा है, पर्यटन और धार्मिक महत्व बढ़ाने की बातें हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर नर्मदा संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने वाले ही उसके प्रदूषण के लिए जिम्मेदार बनते दिखाई दे रहे हैं। पूर्व में दैनिक स्वदेश अखबार द्वारा सिंहवाहिनी वार्ड स्थित दुर्गा प्रतिमा विसर्जन कुंड की गंदगी और साफ-सफाई न होने के मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर सामने आने के बाद नगर पालिका परिषद मंडला ने सक्रियता तो दिखाई, लेकिन सफाई की प्रक्रिया में हुई लापरवाही ने एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सफाई के नाम पर नई लापरवाही — केमिकलयुक्त पानी नाले में छोड़ा गया

वही वार्डवासियों के अनुसार, नगर पालिका की टीम ने विसर्जन कुंड की सफाई तो शुरू कर दी, लेकिन कुंड का केमिकलयुक्त पानी मशीन लगाकर सीधे नाले में बहा दिया, और वही नाला आगे चलकर नर्मदा में मिलता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मशीन को पानी बहाने के बाद तुरंत कुंड के स्थान से हटा दिया गया, ताकि तथ्य छिपाए जा सकें। लोगों का कहना है कि यदि अंत में रासायनिक अवशेषों से भरा पानी नर्मदा में ही बहाना था, तो फिर विसर्जन कुंड बनाने की आवश्यकता ही क्या थी? ऐसे पानी को सुरक्षित तरीके से टैंकर द्वारा अन्यत्र निस्तारित किया जाना चाहिए था, लेकिन प्रशासन ने आसान रास्ता चुनकर नर्मदा की सेहत के साथ खिलवाड़ किया है।

नर्मदा संरक्षण के नाम पर औपचारिकता?

वही कुछ स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्वच्छ भारत मिशन और नर्मदा संरक्षण अभियान मंडला में सिर्फ कागजों में चल रहा है। शहर के कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था बदहाल है, और नगर पालिका की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। लोग यह भी पूछ रहे हैं कि जब प्रशासन और नगर पालिका ही प्रदूषण फैलाने वाले कदम उठा रहे हैं।

तो फिर नर्मदा को साफ रखने का जिम्मा कौन निभाएगा?

कार्रवाई की मांग तेज — प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से हस्तक्षेप की अपील

नागरिकों व सामाजिक संगठनों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिला प्रशासन और नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों से दोषियों पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि रासायनिक मिश्रित पानी को नर्मदा में छोड़ा जाना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि ह्लजीवनदायिनीह्व नर्मदा के अस्तित्व पर सीधा हमला है।

एक ओर धार्मिक आस्था की चमकती ज्योत — दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही की काली सच्चाई। प्रश्न साफ है :नर्मदा को प्रदूषण से कब और कैसे बचाया जाएगा, जब गुनहगारों पर ही कार्रवाई नहीं होती?

मंडला में पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा शुरू

जबलपुर-बांधवगढ़ के लिए सप्ताह में पांच दिन मिलेगी सुविधा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले में गुरुवार को पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया गया। इस सेवा के तहत अब जबलपुर और बांधवगढ़ के लिए सप्ताह में पांच दिन नियमित हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध होगी। खटिया हेलीपैड को क्लीयरेंस न मिलने के कारण फिलहाल इसका संचालन मंडला की ग्वारा हवाई पट्टी से हो रहा है। सेवा के पहले आगमन पर गुरुवार को ग्वारा हवाई पट्टी पर मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोगों को जॉय राइड कराई जानी थी, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से क्लीयरेंस न मिलने के कारण हेलीकॉप्टर कुछ मिनट रुककर ही लौट गया और जॉय राइड नहीं हो सकी। शुभारंभ के अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने इस सेवा को सस्ता और उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इससे कान्हा आने वाले पर्यटकों का समय बचेगा और स्थानीय लोग भी इसका लाभ उठा सकेंगे। मंत्री ने जानकारी दी कि ग्वारा हवाई पट्टी के विकास के लिए 6 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां से उड़ान योजना के तहत नियमित हवाई सेवा भी शुरू की जाएगी। साथ ही, कान्हा के आसपास नए हेलीपैड के लिए स्थान चयन का काम भी जारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से जिले में पर्यटन को नई गति मिलेगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क और रेल सुविधा पहले से उपलब्ध है, और अब हवाई सेवा से आपात स्थितियों में भी लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की पूर्ण आहूति पर धर्मप्रेमियों ने किया यज्ञ

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नगर मुख्यालय के कुम्भ स्थल नर्मदा तट पर आयोजित विराट 108 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का भव्यता से समापन हुआ। चार दिवसीय इस आयोजन में मप्र सहित अन्य राज्यों से गायत्री परिवार के परिजन पहुंचे। जिन्होंने भक्ती भाव से गायत्री महायज्ञ में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता संदीप साहू ने बताया कि 17 नवंबर को भव्य मंगल कलश यात्रा यात्री शक्ति पीठ से निकाली गई थी जो कि नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां पर आद्यशक्ति युगशक्ति और मां गायत्री की पूजन पाठ के साथ कलश स्थापना कराई गई वहीं 18 नवंबर को सामूहिक जप ध्यान प्रज्ञा योग व्यायाम यज्ञ का ज्ञान विज्ञान देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ के साथ कार्यकर्ता गोष्ठी संगठनात्मक स्वरूप के साथ ही संगीत प्रवचन राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बनें सप्त आंदोलन पर कार्यक्रम आयोजित हुआ जहां पर हजारों की संख्या पर धर्मप्रेमी पहुंचे वहीं 19 नवंबर को सामूहिक जप ध्यान प्रज्ञा योग व्यायाम संस्कार परम्परा गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न वैदिक संस्कार कार्यकर्ता गोष्ठी अनुयाज कार्यक्रम अखण्ड दीप एवं वंदनीय माता जी जन्म शताब्दी संकल्प दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लक्ष्मण सिंह मरकाम एडीशन सेक्रेटरी आईईएस मुख्यमंत्री कार्यालय मप्र शासन भोपाल मुख्य रूप से पहुंचे। यहां पर हजारों की संख्या में दीप महायज्ञ किया गया। वहीं श्री मरकाम ने औजस्वी उद्बोधन से धर्मप्रेमियों में नई ऊर्जा का संचार करते हुए कहा कि गायत्री महायज्ञ में शामिल होने से दुख दर्द का नाश होता है। वहीं 20 नवंबर गायत्री

.धर्म समाज और सनातन की सुरक्षा पर ली शपथ

महायज्ञ के समापन अवसर पर सामूहिक जप ध्यान प्रज्ञा योग व्यायाम एवं युगऋषि परम पूज्य गुरूदेव एवं युग तीर्थ शन्तिकुंज गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न वैदिक संस्कार पुणार्हुति एवं टोली की विदाई की गई। यहां पर गायत्री परिवार के साथ ही धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले धर्मप्रेमियों का सम्मान किया गया। वहीं हरिद्धार से आए टोली नायक आचार्य राजकुमार भृगु एवं उनकी टीम ने सभी आयोजनों को भव्यता और गरिमा से सम्पन्न कराया संगीतमय इस आयोजन में हजारों की संख्या में धर्मप्रेमियों ने पहुंचकर लाभ लिया। समापन अवसर पर आचार्य राजकुमार भृगु ने कहा कि युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के संकल्प मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण को साकार करने व अखिल विश्व गायत्री परिवार की संस्थापिका परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी एवं अखण्ड दीप के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य पर अपने क्षेत्र के जनमानस को आद्यशक्ति वेदमाता

गायत्री के महामंत्र को साधनात्मक पुरुषार्थ राष्ट्र शौर्य समृध्दि हेतु मण्डला नगर में मां नर्मदा के पावन तट पर 108 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृध्दि गायत्री महायज्ञ के रूप में युग निर्माण योजना अंतर्गत अद्वितीय योगदान का एक वैश्विक उत्सव सम्पन्न हुआ है। यहां पर हजारों की संख्या पर गायत्री परिवार से जुडे परिजन पहुंचे जिन्होनें यज्ञ में आहूती देते हुए पूजन पाठ किया सुबह से ही यहां पर चहल पहल देखी गई दूर-दूर से आए गायत्री परिवार के परिजन 108 कुंण्डीय गायत्री महायज्ञ में शामिल हुए। समापन अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतिया उईके, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विभाग प्रचारक पंकज पांडे, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा मुख्य रूप से शामिल हुए। जिन्होंने हरिद्धार से आए टोली नायक आचार्य राजकुमार भृग का स्वागत किया। वहीं कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता संदीप साहू का भी गायत्री परिवार मंडला के द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य जगत मरावी, वनवासी विकास परिषद सामाजिक कार्यकर्ता किशोर रजक, रोहित बघेल, रंजीत कछवाहा, विश्व हिन्दू परिषद से सोनल बर्मन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं अखिल विश्व गायत्री परिवार मंडला के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी पुलिस विभाग, नगर पालिका, विद्युत विभाग, मीडिया एवं समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया गया है।

अभाविप नैनपुर ने मनाया नारी शक्ति दिवस

रानी लक्ष्मीबाई का रहा भारत की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान : मुकेश सिंह

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के विकास खंड नैनपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाविद्यालय इकाई नैनपुर द्वारा रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर संगोष्ठी कार्यक्रम का सरस्वती विद्यालय नैनपुर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक मुकेश सिंह,विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय शिक्षिका आरती मिश्रा, मुख्य वक्ता प्रवीण ठाकुर उपस्थित रहे। विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से ही राष्ट्र सर्वोपरी की भावना के साथ कार्य कर रहा है। विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रवादी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नारी सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित करता है, नारियों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध भी खुल कर लड़ाई लड़ने वाला छात्र संगठन अभाविप है। इसी कड़ी में वर्ष 2018 से छात्राओं को भयमुक्त कर, किसी भी परिस्थिति से लड़ने के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने हेतु एक राष्ट्रव्यापी अभियान मिशन साहसी प्रारंभ किया गया। मिशन साहसी के माध्यम से अभाविप ने न केवल महिलाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी तैयार किया है ताकि वे किसी भी तरह की हिंसा या अपराध का सामना कर सकें। मुख्य अतिथि मुकेश सिंह ने कहा कि नारी सशक्त बनकर हर परिस्थिति का सामना करे, अच्छी शिक्षा प्राप्त करके योग्य बने और समाज में अपनी एक अगल पहचान बनाकर रानी लक्ष्मीबाई जैसे नए कीर्तिमान स्थापित करे। भारत की नारी कभी कमजोर नहीं हो सकती और वर्तमान में यह सभी चीजें शिक्षा के माध्यम से ही संभव है।कार्यक्रम में नगर मंत्री रविन्द्र यादव व महाविद्यालय कार्यकर्ता शिवम यादव, शिवम कुमार, शिवांगी राजपूत उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे-30 पर दो ट्रकों की भिड़ंत:ड्राइवर घायल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार सुबह अंजनिया चौकी क्षेत्र के अहमदपुर चौराहे के पास दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, रायपुर की ओर जा रहा एक ट्रक ढलान से उतरते समय बेकाबू हो गया। चालक गति नियंत्रित नहीं कर पाया और उसने रायपुर से मंडला की ओर आ रहे दूसरे ट्रक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। **हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी-** हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलते ही अंजनिया पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और यातायात बहाल करने का प्रयास शुरू किया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। घायल चालक के बयान दर्ज होने के बाद दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।

हॉकफोर्स निरीक्षक की शहादत को बालाघाट ने किया सलाम एक किलोमीटर तक निकली श्रद्धांजलि यात्रा में उमड़ा सैलाब

मंत्री संपत्तिया उईके, सांसद और जनप्रतिनिधियो यों ने दी श्रद्धांजलि

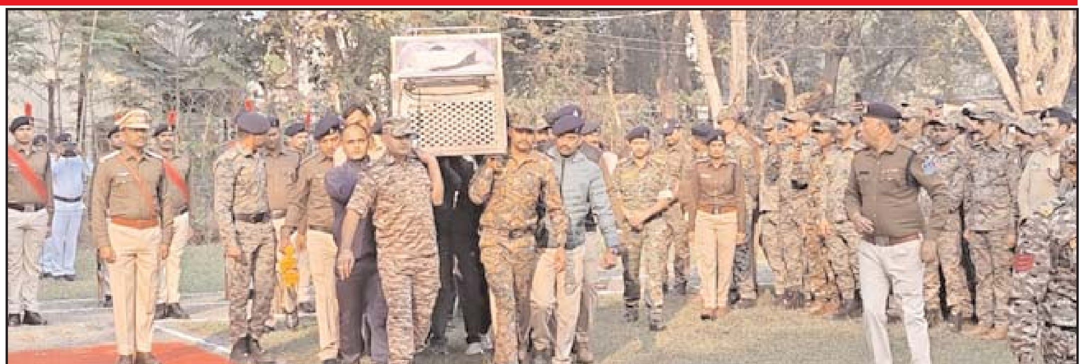

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। राजनांदगांव के बोरतालाब जंगल क्षेत्र में बुधवार की सुबह नक्सलियों और सुरक्षाबलों की मुठभेड़ में टीम को लीड कर रहे निरीक्षक आशीष शर्मा, नक्सलियों की गोली से शहीद हो गए। जिनके जांघ, सोल्डर और कमर में गोली लगी थी। जिनके पार्थिव देह को पीएम के बाद आज सुबह, बालाघाट लाया गया।

आंबेडकर चौक से उनकी श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई और तकरीबन एक किलोमीटर का सफर तय करते हुए यात्रा शहीद स्मारक पुलिस लाईन पहुंची। इस दौरान नम आंखो से उन्हें पुलिस, सुरक्षाबलों और बालाघाट की जनता ने विदाई दी। शहीद स्मारक में मंत्री संपत्तिया उईके, सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, गौरव पारधी, आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नक्सल डीजी पंकज श्रीवास्तव, आईजी संजय कुमार, कलेक्टर मृणाल मीणा, एसपी आदित्य मिश्रा सहित पुलिस, सीआरपीएफ और हॉकफोर्स के जवानों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा में भाई अंकित फूट-फूटकर रो-पड़े। जिन्हें नक्सल डीजी ने ढांढस बंधाया। तकरीबन बालाघाट में 3 घंटे तक चले श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद बालाघाट से एयर एम्बुलेंस में उनका शव उनके गृहग्राम बोहानी के रवाना कर दिया गया। यहां से उनके साथ काम करने वाले हॉकफोर्स के जवान भी साथ गए है।

डीजी नक्सल पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि आशीष शर्मा, हॉकफोर्स के बहादुर जवान थे। जिन्हें दो बार उनके अदम्य साहस, पराक्रम और वीरता के लिए राष्ट्रपति के हाथो वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। बीते फरवरी में चार नक्सलियों को मार गिराने में उनकी अहम भूमिका थी। दुर्भाग्यवश, बुधवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव बोरतालाब के जंगल में लड़ते हुए नक्सली गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें बचाने का प्रयास किया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। नियमानुसार, परिवार को शासन और विभागीय स्तर पर हरसंभव मदद की जाएगी।

2018 से बालाघाट में रहे पदस्थ

बालाघाट में आशीष शर्मा, 2018 से हॉकफोर्स में पदस्थ थे। हॉकफोर्स में पदस्थापना के दौरान आशीष शर्मा, जिले के बैहर, गढ़ी और किन्ही क्षेत्र में तैनात रहे। उनके कार्यकाल में नक्सलियों के खिलाफ बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली। जिसमें 18 दिसंबर 2022 को हर्राटोला में 14 लाख के इनामी हार्डकोर नक्सली एसीएम रूपेश उर्फ हुंगा डोरी को मार गिराने, 22 अप्रैल 2023 को 28 लाख की इनामी नक्सली एसीएम सुनीता और सरिता को मार गिराने के कारण उन्हें दो बार वीरता पदक मिला था। जबकि हाल ही में 19 फरवरी 2025 को रौंदाटोला में हुई मुठभेड़ में 62 लाख की तीन इनामी नक्सली कमांडर आशा, एसीएम रंजीता, सरिता और लख्खे को मार गिराया था। जिन्हें 21 फरवरी 2023 को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन में उपनिरीक्षक से निरीक्षक पदोन्नत किया गया था।

जनवरी में होने वाली थी शादी

मूलतः आशीष, प्रदेश के नरसिंहपुर के गाडरवारा के रहने है। जिनका चयन 2016 में सब-इंस्पेक्टर के पद पर हुआ। इससे पहले वे इंटेलीजेंस में आरक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे थे। सब इंस्पेक्टर बनने के बाद पुलिस की नक्सलियों का एनकाउंटर करने पर पुरस्कार स्वरूप मप्र सरकार द्वारा आउट आफ टर्न प्रमोशन मिला। जिन्हें भारत सरकार द्वारा दो वीरता पदक मिला। आशीष शर्मा अभी अविवाहित थे। पारिवारिक मित्रों ने बताया कि उनकी शादी तय हो गई थी, जनवरी में शादी होनी थी।

सीएम मोहन यादव ने जताया दुःख

सीएम डॉ. मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया पेज में शहीद आशीष शर्मा के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि म.प्र. हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा, नक्सलियों से मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की संयुक्त टीम के, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के जंगलों में नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान उन्होंने अभूतपूर्व वीरता और साहस का प्रदर्शन किया। नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्हें पूर्व में कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस, असाधारण बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए दो बार भारत सरकार द्वारा वीरता पदक से सम्मानित किया गया था।

सोशल मीडिया पर दी जा रही श्रद्धांजलि

मार्क्सवादी विचारधारा के खिलाफ नक्सल उन्मूलन में सरकार के नक्सल मुक्त भारत बनाए जाने के अभियान में जुटे, इंस्पेक्टर आशीष शर्मा की वीरता, साहस और पराक्रम को नमन करते हुए सोशल मीडिया में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। जिले की सांसद और भाजपा जनप्रतिनिधियों ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है।

नर्मदा घाटी विकास विभाग में पदोन्नति में धांधली का आरोप

पूर्व विधायक श्री समरीते ने की लोकायुक्त पुलिस से जांच कराने की मांग

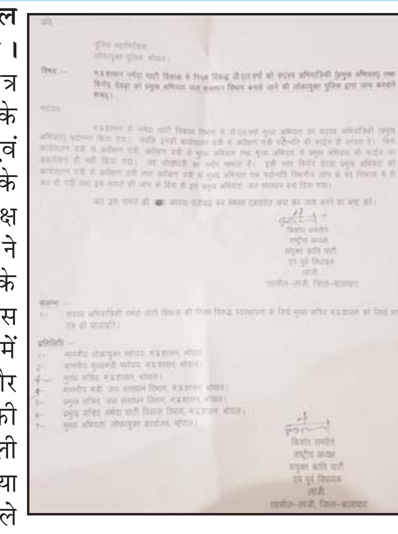

दैनिक रेवांचल टाइम्स लांजी। विधानसभा क्षेत्र लांजी-किरनापुर के पूर्व विधायक एवं संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरीते ने म.प्र. शासन के नर्मदा घाटी विकास विभाग में डी.एल.वर्मा और विनोद देवड़ा की पदोन्नति में धांधली का आरोप लगाया गया है। इस मामले में श्री समरीते ने लोकायुक्त पुलिस से जांच की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार, डी.एल. वर्मा को मुख्य अभियंता से सदस्य अभियांत्रिकी (प्रमुख अभियंता) पदोन्नत किया गया है, जबकि उनकी कार्यपालन यंत्री से अधीक्षण यंत्री पदोन्नति की फ इल ही लापता है। इसके अलावा, विनोद देवड़ा को कार्यपालन यंत्री से अधीक्षण यंत्री और अधीक्षण यंत्री से मुख्य अभियंता तक पदोन्नति विभागीय जांच के बंद लिफ ाफे में ही कर दी गई और उन्हें प्रमुख अभियंता, जल संसाधन बना दिया गया। इस मामले में संयुक्त कांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक किशोर समरीते ने लोकायुक्त पुलिस से जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि पदोन्नति में धांधली की गई है और यह धोखाधड़ी का गंभीर मामला है। इस मामले में लोकायुक्त पुलिस से अपराध पंजीबद्ध कर समस्त दस्तावेज जप्त कर जांच करने की मांग की गई है। श्री समरीते ने बताया की अपनी शिकायत आवेदन के साथ उन्होने सदस्य अभियांत्रिकी नर्मदा घाटी विकास की नियम विरूद्ध पदस्थापना के लिये मुख्य सचिव म.प्र. शासन को लिखे गये पत्र की छायाप्रति भी संलग्न की है और उक्त शिकायत आवेदन के प्रतिलिपि माननीय लोकायुक्त महोदय, म.प्र.शासन, भोपाल, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, म.प्र.शासन, भोपाल, मुख्य सचिव, म.प्र.शासन, भोपाल, माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग, म.प्र. शासन, भोपाल, प्रमुख सचिव, जल संसाधन विभाग, म.प्र. शासन, भोपाल, प्रमुख सचिव, नर्मदा घाटी विकास विभाग, म.प्र. शासन, भोपाल को भेजी है। उल्लेखनीय है की नर्मदा घाटी विकास विभाग जिसे नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) के नाम से जाना जाता है, मध्य प्रदेश सरकार का एक संगठन है जो नर्मदा बेसिन में जल संसाधनों के विकास और संबंधित परियोजनाओं को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। इसका मुख्य उद्देश्य सिंचाई, जल विद्युत उत्पादन और अन्य जल.संबंधी गतिविधियों के माध्यम से नर्मदा बेसिन में जल का दोहन करना है, साथ ही विस्थापितों का पुनर्वास और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना भी है।

एचसीएल को मुआवजा का ऐलान करने लग गए 20 घंटे, पूरी रात शव को रखकर परिजनों ने किया प्रदर्शन, परिजनों ने एचसीएल पर लगाया आरोप

सात दिनो तक मंगलेश की मौत को प्रबंधन ने छिपाया, मुआवजा और जांच पर खत्म प्रदर्शन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मलाजखंड ताम्र परियोजना में 11 नवंबर को अंडरग्राउंड माईस के साउथ ब्लॉक में हुए बस हादसे में घायल मजदूर मंगलेश यादव की मौत पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। परिजनों का आरोप है कि प्रबंधन ने मौत की जानकारी सात दिनों तक छिपाई। जिसको लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश के चलते रात 05 बजे तक चक्का जाम चलता रहा और सुबह 10 से 11 बजे के बीच प्रबंधन से मुआवजा और सुरक्षा को लेकर चल रही चर्चा को मानने के बाद धरना खत्म किया गया।

दरअसल, मलाजखंड ताम्र परियोजना में 11 नवंबर को बस हादसे में 27 मजदूर घायल हुए थे। एसएमएस कंपनी की बस, ब्रेक फेल होने से सैकड़ों मीटर घिसटकर पलट गई थी। जिसमें गंभीर रूप से घायल मजदूर मंगलेश यादव को भिलाई और फिर रायपुर रिफर किया गया। जिसकी बुधवार को मौत होने की बात मॉयल प्रबंधन ने कही। जबकि परिजनों का बड़ा आरोप है मंगलेश की मौत खदान में ही हो चुकी थी, फिर भी उन्हें सात दिनों तक जीवित बताया जाता रहा। परिजनों का आरोप था कि डीजीएमएस की जांच पूरी होने तक मौत की खबर छिपाई गई।

बुधवार 19 नवंबर को मौत की पुष्टि होते ही आक्रोश भड़क उठा। ग्रामीणों ने परियोजना के मुख्य द्वार पर चक्काजाम कर दिया। जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पन्द्रे और समाजसेवी रामेश्वर कटरे ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन का समर्थन करते हुए पूरी तक डटे रहे। परिजनों और प्रदर्शनकारियों ने 2 करोड़ रुपये मुआवजा, बच्चों की शिक्षा, पत्नी को आजीवन पेंशन और दोषियों पर कार्रवाई की मांग रखी थी। 19 नवंबर को शाम को मंगलेश का शव पहुंचने के बाद से एचसीएल के सामने, शव को रखकर प्रदर्शन किया गया। जो सारी रात चलता रहा इस दौरान प्रदर्शनकारियों और मायल प्रबंधन के बीच तीन बार एसडीएम अर्पित गुप्ता और एसडीओपी अरविंद शाह की मध्यस्थता मे बात हुई लेकिन वह असफल रही।

अंततः 20 घंटे के प्रदर्शन के पश्चात प्रबंधन के बीमा की राशि 57 लाख, पत्नी को नौकरी और पेंशन, तथा सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के साथ ही लापरवाहो पर कार्रवाई की मांगे पूरी होने पर समाप्त किया गया।

हादसे और मौत की घटना परिजनों से छिपाने के आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इस घटना ने परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद आज तक के पीरियड में देश की प्रसिद्ध ताम्र परियोजना मलाजखंड के अंडरग्राउंड में सेकंड शिफ्ट में मजदूरों को लेकर जा रही बस के पलटने के मामले में मॉयल प्रबंधन ने क्या पाया, यह अधिकारिक रूप से सामने नहीं आया है।

मोबाईल में एपीके फाईल लोड-खाते से लाखो गायब, तीन लोगों के खाते से ठगो ने उड़ाई राशि, दो दिन में तीन सायबर ठगी की तीन बड़ी वारदात

जांच में जुटी सायबर पुलिस टीम, किसान बोले मेरी राशि भी गायब और अपराध भी दर्ज

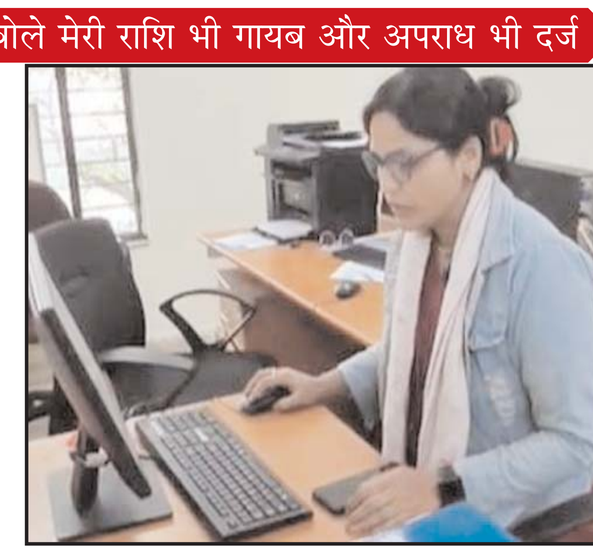

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मोबाईल युग में सायबर थाने में सायबर ठगी के मामले में भी बड़ते जा रहे है। आए दिन किसी ना किसी से ऑनलाईन ठगी की शिकायतें सामने आ रही है। सायबर अपराध के बड़ते मामलो ने लोगों को चितिंत कर दिया है।

बुधवार और गुरूवार की बात करें तो दो दिनो में सायबर ठगी के तीन ऐसे मामले सामने आए है, जिसमें मोबाईल पर आई एपीके लिंक को डाउनलोड करते ही मोबाईल धारकों के बैंक खातो से लाखो रूपए की राशि कट गई। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के चिखला गांव के किसान लक्ष्मण बम्बुरे के खाते में पहले ठगो ने 70 हजार रूपए डाले और उसके बाद उसके खाते से 87 हजार रूपए निकाल लिए। उधर, जिस खाते से किसान के खाते में 70 हजार आए थे। किसान लक्ष्मण बम्बुरे बताते है कि उसने, लखनऊ थाने में मेरी शिकायत कर दी है। जहां की पुलिस का उन्हें थाना आकर बयान देने के लिए फोन आया है। जिससे वह परेशान है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, किसान लक्ष्मण बम्बुरे के साथ ही दो अन्य के खाते से क्रमशः एक लाख 59 हजार और 93 हजार रूपए, ठगो ने पार कर दिए। पुलिस की मानें तो महिनो में 10 से 11 मामले, एपीके फाईल डाउनलोड से राशि खाते से निकाल लिए जाने के मामले आए है। जिसमें वेडिंग, चालान और अन्य कारण बताए गए है।

किसान लक्ष्मण बम्बुरे ने बताया कि उन्हें एक अनजान कॉल आया। जिसमें कहा गया कि उन्होंने यूपी के एक व्यक्ति के खाते से पैसे निकाल लिए हैं और वह राशि उनके खाते में आई है। फोन आने के बाद लक्ष्मण बम्बुरे ने अपना बैंक खाता चेक किया तो पाया कि 70,000 रुपये अलग-अलग किस्तों में उनके खाते में आए थे, लेकिन अगले ही दिन उनकी अपनी जमा पूंजी 17 हजार रुपए सहित कुल 70 हजार रुपये भी खाते से निकाल लिए गए। खाते में मात्र 33 रुपये शेष रह गए। इसके बाद उन्हें यूपी के लखनऊ जनपद के गोसाईगंज थाने से पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा पैसे निकालने की शिकायत पर बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई थी और उन्हें तीन दिन के भीतर थाने में उपस्थित होने को कहा गया। पीड़ित किसान लक्ष्मण बम्बुरे ने इस पूरे मामले की शिकायत साइबर सेल, 1930 पर कॉल और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की है। उन्होने बताया कि 12 सितंबर की है, लेकिन इसकी शुरुआत दो दिन पहले हुई थी। उनके एंड्रॉयड मोबाइल के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एपीके फाइल के माध्यम से फोटो और वीडियो भेजे गए थे। फोटो डिलीट करने के प्रयास में लक्ष्मण ने अनजाने में एपीके फाइल पर क्लिक कर दिया। जिसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया था। उन्हें उस समय मोबाइल हैक होने की जानकारी नहीं थी।

इस मामले में थाना प्रभारी कामेश धुमकेती ने बताया कि शिकायत की जांच सायबर नोडल थाना के माध्यम से कराई जाएगी और पीड़ितो को उनकी गई राशि वापस लौटान का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। अभी मामले की जांच जारी है।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एसआईआर का कार्य जिले में एसआईआर2026 गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन की प्रगति 44 प्रतिशत पर पहुँची एसआईआर

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर 2026) के अंतर्गत गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन का कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टशर मृणाल मीना द्वारा प्रतिदिन इस कार्य की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। 20 नवंबर 2025 को शाम तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन का कार्य 44 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। बालाघाट जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाता है और 1675 बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना पत्रक भरवाये जा रहे हैं और मतदाताओं द्वारा गणना पत्रक में सारी जानकारी भर देने के बाद वापस जमा कर उसकी पोर्टल पर एंट्री की जा रही है। जिले में 20 नवंबर की शाम तक 06 लाख 01 हजार 347 गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन पूरा किया जा चुका है। इस प्रकार गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन का 44 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन कार्य में बैहर विधानसभा क्षेत्र 59 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी 45 प्रतिशत के साथ द्वितीय, लांजी 43 प्रतिशत के साथ तृतीय, परसवाड़ा 41 प्रतिशत के साथ चतुर्थ, बालाघाट 39 प्रतिशत के साथ पंचम एवं विधानसभा क्षेत्र कटंगी 38 प्रतिशत डिजिटलाईजेशन के साथ छठवें स्था न पर है। जिला प्रशासन ने सभी बीएलओ और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कार्य की दैनिक समीक्षा भी की जा रही है। जिले के मतदाताओं से भी अपील की गई कि वे गणना पत्रक में चाही गई जानकारी भरकर शीघ्रता से अपने मतदान केन्द्र के बीएलओ को उपलब्ध करायें।

संपादकीय

आपदा से चिन्हित चुनाव

स्थानीय निकाय चुनावों की फेहरिस्त में अगर चुनाव आयोग चार कदम आगे है, तो आपदाग्रस्त राज्य की तस्वीर में अभी आगे बढ? की फुर्सत नहीं। पूरा प्रदेश डिजास्टर एक्ट के तहत अपनी क्षतिपूर्ति, पुनर्वास और राहत की उम्मीदों में सुबह होने की मशक्कत में है। कुछ इलाके अभी भी आपदा से चिन्हित अपने घाव मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो चुनाव की दोपहरी के नीचे आयोग के लिए यह माकूल समय है। यानी प्रदेश के दो धरातल पर भविष्य देखा जा रहा है। एक ओर सरकार स्थानीय निकाय चुनावों की तिथि के बजाय आपदा राहत के केंद्रीय फरमानों में पंद्रह सौ करोड़ तथा भारी नुकसान की भरपाई के लिए अतिरिक्त धन के लिए दौड़ रही है। ऐसे में एक ओर चुनावी विचार की मौलिकता में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए झाड़ू-पौंछा लगाना आसान प्रतीत हो रहा है तो दूसरी ओर अपने काम-अपने समाधान पर लगी प्रदेश सरकार, डिजास्टर एक्ट की निरंतरता में अपने स्टैंड पर कायम है। यानी उसे कुछ समय बाद चुनाव की नजाकत चाहिए। सत्ता के तीसरे साल में स्थानीय निकाय चुनाव प्रदेश की सियासत में विपक्ष की तैयारियों के लिए एक पड़ाव सरीखा है। सत्ता को काम करने हैं, तो प्रतिपक्ष को सियासी क्रीड़ा में अपना नाम करना है। बहरहाल यहां चुनाव आयोग सीधे-सीधे सरकार के मंतव्य पर संदेह कर रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल कुमार खाची के अनुसार जिस शिद्दत से मतदाता सूचियों का प्रकाशन तथा आरक्षण रोस्टर का निर्धारण होना चाहिए था, वह यूं ही टाला जा रहा है। इस विवाद में कितना सत्य व कितना अर्द्धसत्य है, यह अब सामान्य प्रश्न का सामान्य उत्तर नहीं है। एक मुहाने पर चुनाव को लेकर बहस का आंगन विपक्ष की कचहरी बन गया, तो दूसरे पर सरकार का स्टैंड अब कानूनी बहस का आसरा ढूंढ रहा है। हिमाचल में पंचायत व नगर निकायों के चुनाव, यहां के जनमानस की राजनीतिक जागरूकता का परिचय रहे हैं, इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि किसी तरह की देरी से कोई विराम पैदा हो जाएगा। बावजूद इसके दोनों पक्षों की दलीलों में एकतरफा नहीं हो सकते। आपदा प्रभावित क्षेत्रों की ग्राउंड रिपोर्ट तो यही बताती है कि कई गांवों के संपर्क आज भी टूटे हैं। इस दर्द का बयां स्वयं नेता प्रतिपक्ष भी अपने चुनाव क्षेत्र के हवाले से कर चुके हैं और बरसात त्रासदी के जख्म कुल्लू, मंडी, चंबा व सिरमौर जैसे जिलों में आज भी राहत की चुगली कर रहे हैं। कनेक्टिविटी के हिसाब से हिमाचल का एक बड़ा हिस्सा या तो कटा हुआ है या फौरी इंतजाम की जरूरत में नजरअंदाज है। आखिर यह चुनाव हैं तो जनता के लिए ही। उस जनता के लिए भी हैं जिनके घर टूट चुके हैं या पूरी खेती बह गई है। कहीं पूरे के पूरे गांव तो कहीं बाजार का अस्तित्व मिट चुका है। चुनाव आयोग की सक्रियता के पैमाने एकतरफा नहीं हो सकते, बल्कि एक व्यापक सर्वेक्षण से उस सतह की तलाशी ली जाए, जिसके ऊपर हमारा लोकतंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाता है। ऐसे में यह तो मानना पड़ेगा कि इस वक्त चुनाव का मुद्दा नहीं, बल्कि चुनाव को मुद्दा जरूर मिल गया। हो सकता है कुछ गांव और शहरों में चुनाव की फेहरिस्त बनाना आसान हो, लेकिन बरसात के पूरे जख्म समाप्त हो गए, यह मानना भी तो गलत है। जाहिर है आपदा से चुनाव नहीं लड़ सकते, लेकिन आपदा राहत के लिए केंद्र सरकार से पूछा जा सकता है कि यहां सामान्य परिस्थितियों की बहाली का रास्ता क्यों कर रोका गया है। बहरहाल स्थानीय निकाय चुनावों के परिप्रेक्ष्य में करवटें ले रहा हिमाचल कई राजनीति मंसूबों को जन्म दे चुका है। कई नए व युवा चेहरे अपने जीवन में राजनीतिक हसरतों के साथ इंतजार कर रहे हैं कि जनता के समक्ष विकल्प रखा जाए। प्रदेश के शहरीकरण को आगामी चुनावों से आशाएं हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आए बदलाव को टीसीपी कानून शर्तों में कुछ तो आसान चाहिए। जो भी हो, इस द्वंद्व की आवश्यकता नहीं है और न ही हिमाचल के लिए सियासत की ऐसी बंदरबांट सही होगी। चुनावों की अनिवार्यता में प्रदेश की सामान्य स्थिति का होना, कहीं ज्यादा आवश्यक है।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र–निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन–1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े–बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए।

मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से ह्यलाल गलियाराह्ल कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक ह्यनक्सलमुक्त भारतह्ल अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दर्शाता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी। आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागजों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को ह्लनक्सलवाद मुक्त भारतह्व बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

राशिफल

मेष राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास एवं योजनायें फलीभूत हों तथा धन लाभ अवश्य होगा।

वृष राशि :- लेन-देन के मामले स्थगित रखें, धन देने पर भी वापस न मिले, मानसिक चिन्ता रहेगा।

मिथुन राशि :- मनोवृत्ति संवेदनशील रहे, स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी।

कर्क राशि :- योजनायें फलीभूत हों, सफलता के साधन जुटायें, कार्य कुशलता पूर्वक होंगे।

सिंह राशि :- प्रभुत्व वृद्धि, कार्य-कुशलता से संतोष, विशेष लाभप्रद योग बनेंगे, ध्यान देने से कार्य होगा।

कन्या राशि :- चिन्तायें परेशान रखें, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य होंगे ध्यान दें।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश, मानसिक उद्विघ्नता होगी, धैर्य से कार्य करें।

वृश्चिक राशि :- दैनिक कार्यगति मंद, स्थिति में सुधार होगा, नियंत्रण करने में सफलता मिलेगी।

धनु राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित हों, सतर्कता से कार्य निपटा लें, कार्य बनेंगे।

मकर राशि :- हाथ में आया हुआ धन व्यर्थ जायेगा, कार्य-कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- विलम्ब से बेचैनी संभव है, भाग्य आपका साथ देगा, रुके कार्य बना लें।

मीन राशि :- अनायास परेशानी, शत्रु से सतर्क रहें, मान-प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी तथा कष्ट होगा।

मैग्नम ओपस प्ले हमारे राम के नाट्य मंचन की प्रस्तुति जबलपुर में की जाएगी

बॉलीवुड आइकन आशुतोष राणा इस नाट्य नाटक का प्रीमियर शहर में पेश करेंगे!

जबलपुर। भारत की अग्रणी थिएटर कंपनी, फेलिसिटी थिएटर द्वारा इस महाकाव्यात्मक हमारे राम की नाट्य प्रस्तुति सगर्व आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। गौरव भारद्वाज द्वारा निर्देशित इस महान कृति में रामायण के कुछ ऐसे अभूतपूर्व दृश्य दिखाए गए हैं, जिन्हें इससे पहले कभी किसी मंच पर नहीं दिखाया गया। बॉलीवुड के प्रमुख दिग्गज आशुतोष राणा ने रावण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाई है, भगवान राम की भूमिका में दिखाई देंगे प्रशंसित अभिनेता राहुल आर भूचर, भगवान हनुमान की भूमिका में दानिश अख्तर, तरूण खन्ना भगवान शिव की भूमिका में, हरलीन कौर रेखी ने माता सीता की, और करण शर्मा सूर्य देव की भूमिका में दिखाई देंगे। इस समूह में थिएटर की दुनिया के अन्य अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं। भारत भर के शहरों में हाउसफुल शो रहने के बाद नाट्य नाटक हमारे राम का प्रीमियर 29 और 30 नवंबर, 2025 को तरंग ऑडिटोरियम, जबलपुर में किया जाएगा।

पार्श्व गायक कैलाश खेर, शंकर महादेवन और सोनू निगम ने विशेष रूप से हमारे राम के लिए बनाई गई मूल रचनाओं में अपनी आवाज दी है, जो श्रवण अनुभव को बढ़ाता है। यह शानदार नाटकीय अनुभव असाधारण प्रदर्शन, शक्तिशाली संवाद, आत्मा-उत्तेजक संगीत, जीवंत कोरियोग्राफी, उत्कृष्ट वेशभूषा और अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था और विशेष प्रभाव प्रदान करता है।

हमारे राम की विशिष्ट विशेषताएं पहले से न कही गई रामायण कहानियों की अंतर्दृष्टि में निहित हैं। लव और कुश से शुरू होने वाला यह नाटक भगवान राम से उनकी माता सीता के बारे में पूछे गए सवालों पर आधारित है। हमारे राम दर्शकों को भगवान राम और सीता की अमर कहानी और भगवान सूर्य के माध्यम से उनके शाश्वत प्रेम, कठिनाइयों, परीक्षणों और विजय की यात्रा पर ले जाता है। इस विशाल प्रोडक्शन में मंच पर रामायण के अनकहे अध्यायों को उजागर करने के लिए रोशनी, बैकग्राउंड स्कोर, एलईडी बैकड्रॉप, लुभावने हवाई अभिनय और उच्च तकनीक वीएफएक्स जादू शामिल है। हमारे राम मनोरंजन से कहीं बढ़कर है; यह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है जो एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए इतिहास और संस्कृति को सहजता से जोड़ता है।

Felicity Theatre के निमार्ता और एमडी, राहुल भुचर का कहना है, हमारे राम को रामायण कहानी में एक नया रूप लाने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है जो युवा पीढ़ी को पसंद आएगा। आशुतोष राणा का रावण का संवेदनशील चित्रण, प्रसिद्ध पार्श्व गायकों की संगीत प्रतिभा के साथ मिलकर, एक सांस्कृतिक तीर्थयात्रा प्रदान करता है जो भगवान राम के प्रति भक्ति को फिर से जागृत करेगा। गौरव भारद्वाज, एक विज्ञापन फिल्म निमार्ता, इस प्रयास में एक गतिशील दृष्टिकोण लाते हैं, और दर्शक इस दृश्य शो से रोमांचित होने की उम्मीद कर सकते हैं।

शानदार प्रदर्शन, भव्य प्रकाश व्यवस्था, मनमोहक LED, लुभावने हवाई प्रदर्शन और 50 से अधिक नर्तकियों के समूह से रोमांचित होने के लिए तैयार हो जाइए।

नाटू नाटू के बाद अब चिकिरी का जलवा, राम चरण का डांस स्टेप बना ग्लोबल सेंसेशन

मुम्बई। राम चरण ने एक बार फिर ग्लोबल पॉप-कल्चर की दुनिया में तहलका मचा दिया है। फ्फ्फ़के ऑस्कर जीतने वाले गाने नाटू नाटू के बाद अब एक्टर का नया डांस हुक-स्टेप ह्लचिकिरीह्व इंटरनेशनल सेंसेशन बन गया है। सोशल मीडिया, इन्फ्लुएंसर पेज और शॉर्ट-वीडियो प्लेटफॉर्म पर हर जगह इसकी धूम है, और यह बेहद तेजी से दुनिया भर में वायरल हो रहा है। चिकिरी स्टेप, जो एक जोरदार फुट-स्टॉम्प और स्विश वाला डांस मूव है, रिलीज के तुरंत बाद ही भारत में छा गया था। लेकिन कुछ ही दिनों में ये देश की सीमाओं से बाहर निकलकर पूरी दुनिया में फैल गया। अमेरिका के डांस क्रिएटर्स ने इसे सबसे पहले अपनाया, और इसे हाई-एनर्जी टिकटॉक चैलेंज का हिस्सा बना दिया। न्यूयॉर्क के डांस स्टूडियो के प्रोफेशनल डांसर्स से लेकर कैलिफोर्निया के कॉलेज ग्रुप्स तक, चिकिरी चैलेंज आज ग्लोबल डांस कल्चर का नया ट्रेंड बन चुका है। जापान में तो इस ट्रेंड ने एक अलग ही रंग पकड़ लिया है, जहां जे-पॉप परफॉर्मर्स और एनीमे कंटेंट क्रिएटर्स चिकिरी स्टेप को अपनी खास स्टाइल में जोड़कर नए तरह के डांस और ऐनिमेटेड वीडियो बना रहे हैं। वहीं चीन के तिब्बती इलाकों में इंफ्लुएंसर्स इस स्टेप को खूबसूरत पहाड़ी नजारों के बीच फिल्माते दिख रहे हैं, जिससे इसमें एक अलग ही सांस्कृतिक खूबसूरती जुड़ गई है और इसकी पहुंच और भी बढ़ गई है।

सिद्धि और सब को सुख देना वाला है महादेव का मंत्र : श्री गिरि बापु जी

जबलपुर। संस्कारधानी के घड़ी चौक विजय नगर स्थित नर्मदा एक्सीलेंस कॉलेज परिसर में आयोजित श्री शिव समाराधन महायज्ञ श्री शिव महापुराण कथा के तृतीय दिवस बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक पूज्य श्री गिरि बापु जी महाराज अपने ओजस्वी श्रीमुख से शिव महापुराण कथा का वाचन करते हुए कहा शिव महा ग्रंथ कोई सामान्य ग्रंथ नहीं है सभीग्रंथों में श्रेष्ठ है। जीव मात्र मनुष्य के लिए आशीर्वाद का स्वरूप है ये शिव महापुराण ग्रंथ। महादेव का मंत्र सिद्धि और सब को सुख देना वाला है। महादेव जी जितने सरल है इतना ही उनका मंत्र सरल है। ॐ नमः शिवायः। 7 करोड़ महामंत्र का पुण्य सिर्फ ॐ नमः शिवायः करने से मिलता है। शांति और मनोकामना देने वाला मंत्र है। सबका कल्याण करने वाला मंत्र है मंत्रों का भी मंत्र है।

उन्होंने कथा का वर्णन करते हुए कहा भूमि और स्थान का बहुत प्रभाव होता है। स्थान की महिमा अधिक होती है। नारद जी जिस स्थान पर बैठे उसी स्थान पर भगवान शिव जी ने तपस्या की थी। नारद जी समझ बैठे ये मेरे तप का प्रभाव। नारद जी की देवताओं ने भी प्रशंसा की, जिससे नारद जी में अहंकार का बीज अंकुरित होने लगा। हमारी कोई निंदा करें तो कोई प्रभाव नहीं, लेकिन जब प्रशंसा होने लगे तो हर मनुष्य को सतर्क रहना चाहिए। यह अभियान का कारण भी बनता है। दुनिया में सबसे बड़ा मूर्ख वह जो अपने को श्रेष्ठ मानता है दुनिया में बहुत श्रेष्ठ है। देवता सब बोले आप तो शिव तुल्य है। नारद जी खुद ही शिव भगवान के पास पहुँचकर प्रवचन करने लगे और जब नारद जी ने प्रवचन बंद किया तो शिव जी बोले हे तात आप तो महान और आत्म ज्ञानी है आप तो बहुत धन्य है आपने इतना बड़ा तप किया ये बहुत खुशी की बात है। नारद जी बात को याद रखिएगा जो मेरे सामने आप प्रवचन कर रहे हैं अपनी प्रशंसा किसी के आगे नहीं कहना चाहिए और श्री के सामने तो नही। जीवन मे बहुत सी बातें गोपनीय रखनी चाहिए। भगवान शिव ने बहुत सी बातें समझाने का प्रयास किया। आप मौन बन जाए आप का तप का प्रभाव बोलता है। जिनका तप परिपक्व हुआ है उसको ज्यादा से ज्यादा मौन रहना चाहिए और जिनकी उम्र अधिक हो गई हो उनको भी मौन रहना चाहिए। जिनकी तपस्या परिपक्व हो उनका बोला तो उनके मन में जो सोच है वो भी होने लगता है। इसलिए हमने देखा है जो तपस्वी है वो कम बोलते है। कम बोलना सबसे बड़ा गुण है। सबसे बड़ी बुद्धि कम शब्दों में दूसरों को समझाना श्रेष्ठ कला है। नारद जी आप को कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद नारद जी भगवान विष्णु जी के पास अपनी प्रशंसा करने लगे। नारद जी आप महान है आपका दर्शन करने से पुण्य मिलता है। अभिमानी व्यक्ति को प्रशंसा अच्छी लगती है। नारद जी के मन में जो अहंकार का बीज अंकुरित हुआ था वह बढ़ने लगा। बहुत सुनने से बहुत कुछ मिलता है। नारद जी का अभिमान देखकर भगवान विष्णु जी महादेव को याद करने लगे।

शिक्षा के मंदिरों को बाजार में बदलने का ताजा उदाहरण है झ आदर्श बी.एड. कॉलेज, खैरा पलारी....

दैनिक रेवांचल टाइम्स

शिक्षा बना व्यापार आदर्श बी.एड. कॉलेज खैरा पलारी में पैसे दो-डिग्री लो का खेल!..

रेवांचल टाइम्स फालोअप

फर्जी शिक्षक, फर्जी दस्तावेज, जमीन पर कुछ और, कागजों में कुछ और!

नियमों की खुलेआम धज्जियाँ झ फिर भी अधिकारी मौन..

आमजनता की मांग: निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई....

मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी शिक्षा का ढांचा खोखला

इस सम्बन्ध में इनका कहना है कि......

जहां ज्ञान बिकता है, वहां अंधकार ही फैलता है!....

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - खैरा पलारी पहले खुलासे के बाद लगा था कि प्रशासन जागेगा, जाँच होगी, कार्रवाई होगी पर आज, महीनों बाद भी कॉलेज पहले से ज्यादा बेखौफ होकर चल रहा है।सवाल उठता है झक्या शिक्षा विभाग ने आँखें मूँद ली हैं या फिर मिलीभगत इतनी गहरी है कि अब कानून भी बेबस दिख रहा है?

फर्जी शिक्षक फर्जी क्लास, असली पैसा

कॉलेज में पढ़ाने वालों के नाम कागजों में कुछ और, हाजिरी में कुछ और, और हकीकत में कोई और !यहाँ शिक्षक नहीं, नाम पढ़ाते हैं।सूत्रों से प्राप्त दस्तावेजों में साफ है कि कई शिक्षकों के प्रमाणपत्र संदिग्ध हैं, कुछ के नाम पर किसी और की फोटो लगी है।और फिर भी मान्यता बरकरार !क्या यही ॡआदर्शॡ की परिभाषा है?

कागजों में लैब, जमीन पर ताला!...

कॉलज की प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, और खेल सामग्री सिर्फ रिपोर्टों में मौजूद हैं।छात्रों से लैब फीस वसूल की जाती है, पर लैब के कमरे में महीनों से धूल जमी है। शिक्षा का ढाँचा यहाँ नहीं, ढोंग खड़ा है।

रेवांचल टाइम्स फालोअप

डिग्री का सौदा , पैसे दो, पास हो जाओॡ का फॉमूर्ला

सबसे भयावह आरोप यह कि बिना नियमित उपस्थिति और परीक्षा के भी छात्रों को डिग्री मिल रही है। कुछ छात्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कॉलेज प्रशासन के लोग ॡप्रैक्टिकल और इंटरनल मार्क्सॡ के बदले पैसे मांगते हैं।कानूनन यह गंभीर अपराध है, पर कार्रवाई शून्य।

शिक्षा विभाग का रहस्यमयी मौन झ ॡकार्रवाई फाइल में कैदॡ

आरटीआई के जरिए मिली जानकारी में पता चला कि कॉलेज से संबंधित जांच ॡलंबितॡ है।पर सवाल यह है – कब तक?
क्या विभाग किसी दबाव में है या जानबूझकर टाल रहा है?
कई अधिकारीयों को शिकायतें भेजी गईं, रिमाइंडर दिए गए, फिर भी एक भी निरीक्षण टीम मौके पर नहीं पहुँची।

क्या यह ॡसिस्टम की सांठगांठॡ नहीं तो और क्या है?

शिक्षा की लूट पर सन्नाटा क्यों..?

सालों से यह कॉलेज बी.एड. डिग्रियों का ॡहबॡ बना हुआ है।
हर साल सैकड़ों छात्र फर्जी उपस्थिति के सहारे डिग्री लेकर निकल जाते हैं, और सिस्टम आंख मूंदकर प्रमाणपत्र जारी कर देता है।यानी ज्ञान नहीं, कारोबार चल रहा है।
अब सवाल यह उठता है कि....*
अगर प्रमाण मिल चुके हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं?"
क्या...? कॉलेज प्रबंधन और कुछ अधिकारियों के बीच मजबूत गठजोड़ है।इसी वजह से कार्रवाई टल रही है। आदेशों के बाद भी कॉलेज के दस्तावेज उपलब्ध न करना कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार की बुनियाद को दे रहा है प्रमाणीकरण शिक्षा के नाम पर चल रहे इस भ्रष्टाचार को आदर्शॡ नाम का अपमान झ शिक्षा का अपमान आदर्श बी.एड. कॉलेजॡ नाम सिर्फ एक मुखौटा बन गया है।असल में यहाँ शिक्षा नहीं, शिक्षा का सौदा होता है।अगर अब कार्रवाई नहीं की, तो यह संदेश जाएगा कि फजीर्वाड़े को संरक्षण देने वाला सिस्टम ही सबसे बड़ा अपराधी है।

इस सम्बन्ध में इनका कहना है कि....

आदर्श बी.एड. कॉलेजॡ नाम केवल एक मुखौटा बन गया है।
यहाँ शिक्षा नहीं, शिक्षा का सौदा होता है। साथ ही आदेशों की खुली अवहेलना की जा रही है मैं जल्द ही उक्त मामले को लेकर न्यायालय की शरण लूंगा....

शिकायतकर्ता, अखिलेश बन्देवार
आरटीआई एक्टिविस्ट एवं समाजसेवी.....

इसी मामले की जांच करने में ट्रेवल विभाग के फूल रहे हाथ पांव?

अपने बच्चों को स्कूल न भेज पाने वाले शिक्षक को प्राचार्य की जिम्मेदारी– ट्राइबल विभाग के निर्णय पर उठे सवाल?

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। जनजाति कार्य विभाग द्वारा शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल बादलपार में श्रवण डहरवाल को प्रभारी प्राचार्य बनाए जाने के बाद स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। सवाल यह उठ रहा है कि जो शिक्षक अपने ही बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने में नाकाम रहे, वे अब पूरे विद्यालय के छात्रों को नियमित स्कूल आने के लिए कैसे प्रेरित करेंगे? सूत्रों के अनुसार, श्रवण डहरवाल के बच्चे पिछले वर्षों में कृषि विद्यालय में अध्ययन रात थी जो दो वर्षों में विद्यालय में 75 प्रतिशत उपस्थिति भी दर्ज नहीं करा पाए। 11वीं कक्षा में उनके बच्चों को कम उपस्थिति के बावजूद परीक्षा दिलवा दी गई थी। बाद में शिकायत होने पर विद्यालय प्रशासन और स्वयं श्रवण डहरवाल सक्रिय हुए, जिसके बाद 12वीं में बच्चों को मजबूरी में स्वाध्याय (प्राइवेट) से पढ़ाई करवानी पड़ी। ग्रामीणों का कहना है कि जब शासन बच्चों को विद्यालय भेजने और उपस्थिति बढ़ाने के लिए कई योजनाएँ चला रहा है, तब ऐसे शिक्षक को प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी देना विभागीय निर्णय पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ट्राइबल विभाग की कार्यप्रणाली अक्सर इसी तरह सवालों के घेरे में रहती है—जहां लापरवाह और अनियमित रिकॉर्ड वाले शिक्षकों को पदोन्नति मिल जाती है, जबकि मेहनती और ईमानदार शिक्षक उपेक्षित रह जाते हैं। ग्रामीण अभिभावकों ने विभाग से मांग की है कि प्राचार्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति से पहले शिक्षक के शिक्षण–व्यवहार, व्यक्तिगत ट्रैक रिकॉर्ड और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की विस्तृत जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

अड़ानी को भूमि आवंटन रद्द कराने किसान संघर्ष समिति ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । सिंगरौली जिले में पावर प्लांट और कोयला खदान हेतु अडानी कंपनी को आवंटित भूमि रद्द कराने पांचवीं अनुसूची का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कर निलंबित किए जाने पेसा कानून का पालन कराने वनों की कटाई पर रोक लगाने प्रदुषण बोर्ड द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 और अन्य संबंधित कानूनों के तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने आदिवासियों पर दर्ज फर्जी मुकदमें रद्द करने आदि मांगों को लेकर रीवा में कमिश्नर और डी आई जी को किसान संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल की अगुवाई में ज्ञापन सौंपा गया । दौरान ज्ञापन किसान संघर्ष समिति के संभागीय संयोजक पुष्पेंद्र सिंह एडवोकेट जिला सचिव अनिल मिश्रा मोहम्मद तौहीद शकील खान वीरेंद्र सिंह अखिलेश पटेल संतोष पटेल दौलत सिंह रमेश वर्मा शंकर बहादुर पटेल आदि सहित अन्य नेता मौजूद रहे।किसान नेताओं ने कहा कि अडानी को सिंगरौली में लूट की खुली छूट देने लिए सिंगरौली जिले में नियम व कानून को ताक पर रखकर अडानी पावर प्लांट और कोयला खदान के लिए आदिवासियों की जमीन का अधिग्रहण कर भूमि आवंटित की गई है जिसे रद्द किया जाना चाहिए क्योंकि आवंटन करते वक्त ग्रामसभा की सहमति नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि बासी बिरदाह के आदिवासियों को पुलिस द्वारा बंधक बनाकर जोर जबरदस्ती से पेड़ों की कटाई की जा रही है जो असंवैधानिक है। जंगल आदिवासियों के लिए सिर्फ. आजीविका ही नहीं, बल्कि आस्था संस्कृति और पहचान है।

आरटीआई कार्यकर्ता की पहल के बाद विभागों को कड़े निर्देश जल्द हो सकती है बड़ी कार्यवाही

फर्जी जाति प्रमाण-पत्र के मामलों पर सरकार सख्त

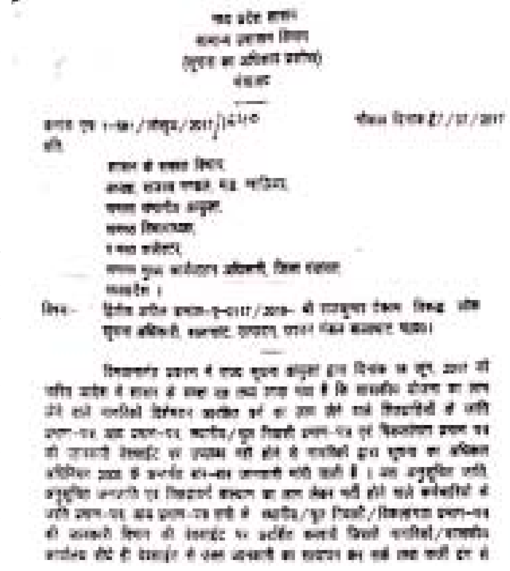

दैनिक रेवांचल टाइम्स , भोपाल/डिंडौरी मध्यप्रदेश में जाति प्रमाणझपत्रों में हो रही गड़बड़ियों को लेकर अब सरकार सक्रिय हो गई है। आरटीआई कार्यकर्ता दिगम्बर खांडिलकर (वार्ड नं. 02, डिंडौरी) द्वारा सूचना के अधिकार के तहत लगाए गए आवेदन के बाद सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल ने प्रदेश के सभी प्रमुख विभागों, कलेक्टरों और अधिकारियों को कड़े दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। वही खांडिलकर ने अपने आवेदन में सवाल उठाया था कि शासन द्वारा जारी निदेर्शों के बावजूद बहुत से स्थानों पर जाति प्रमाण पत्र जारी करते समय उचित सत्यापन नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते फर्जी और गलत प्रमाणझपत्र बन रहे हैं। यह शिकायत राज्य सूचना आयोग तक पहुँची, जिसने मामले को गंभीरता से लेते हुए विभाग से जवाब तलब किया।

सामान्य प्रशासन विभाग का आदेश – 21 जुलाई 2017

राज्य सूचना आयुक्त की संस्तुति पर विभाग ने आदेश जारी करते हुए कहा कि: एससी/एसटी/ओबीसी/विशेष पिछड़ा वर्ग के जाति प्रमाणझपत्र अब सख्त जांच के बाद ही जारी हों। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत जाति, निवास, मूल निवासी, जन्म, आयझजातिझनिवास आदि प्रमाणझपत्रों की कड़ाई से जांच अनिवार्य है। गलत या फर्जी प्रमाणझपत्र जारी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई निश्चित है। विभागों को सचेत किया गया है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही शासन स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

आरटीआई कार्यकर्ता दिगम्बर खांडिलकर को आयोग का उत्तर

राज्य सूचना आयोग द्वारा भेजे गए जवाब में यह भी कहा गया है किझझ यदि आवेदक (खांडिलकर) प्राप्त सूचना से असंतुष्ट हों तो 30 दिनों के भीतर प्रथम अपील दायर कर सकते हैं। विभाग ने उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की प्रति भी उपलब्ध कराई है।

17 प्रमुख विभागों को भेजा गया आदेश यह निर्देश राजस्व मंडल, संभागीय आयुक्त, कलेक्टर, पंचायत विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पुलिस विभाग, लोकायुक्त, निर्वाचन आयोग सहित 17 उच्चस्तरीय विभागों को भेजे गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर गलत जाति प्रमाणझपत्र जारी न हो सके। संवेदनशील मुद्दे पर खांडिलकर की महत्वपूर्ण पहल आरटीआई कार्यकर्ता दिगम्बर खांडिलकर ने कहा किझझ फर्जी जाति प्रमाणझपत्र हजारों गरीब व पिछड़े वर्ग के वास्तविक पात्र लोगों का हक मार देते हैं। यह आदेश ऐसे फजीर्वाड़े पर बड़ा रोक लगाएगा। उनके आवेदन के बाद शासन द्वारा कार्रवाई शुरू होना एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

पॉस्को एक्ट के आरोपी को रीवा की विशेष न्यायालय पॉस्को द्वारा किया गया दोषमुक्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । पुलिस थाना सिविल लाइन रीवा में वर्ष 2024 में नाबालिग अभियोक्त्री ने यह रिपोर्ट लेख करायी थी उसके साथ पड़रा रीवा में आरोपी अखिल तिवारी द्वारा उसकी लज्जा भंग करने के उद्देश्य से अश्लीलता की और जब वह अपने घर आई तो आरोपी उसके घर रॉड लेकर आया और गाली गलौज करते हुए घर में तोड़फोड़ की। जिसकी रिकॉर्डिंग घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में हो गई थी जिस पर पुलिस थाना सिविल लाइन द्वारा आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट सहित कई गंभीर धाराओ में अपराध पंजीबद्ध किया गया और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले के जांच के दौरान घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी की फुटेज निकाल कर पेश की गई मामले का विचारण विशेष न्यायालय पास्को रीवा द्वारा किया गया। अभियोजन द्वारा अपने मामले को आरोपी के खिलाफ साबित करने के 8 गवाहो को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग भी पेश की गई किंतु सम्पूर्ण विचारण उपरांत अभियोजन अपना मामला आरोपी के खिलाफ संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। तदुपरांत आरोपी को विशेष न्यायाधीश पास्को न्यायालय रीवा द्वारा दोषमुक्त घोषित कर दिया गया। आरोपी की ओर से पैरवी अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) द्वारा किया गया।

समाधान योजना के तहत बिजली बिल बकायादारों को मिल रही छूट

कटनी । बिजली बिल के बकायादारों के लिए मध्यप्रदेश के ऊर्जा विभाग द्वारा समाधान योजना 2025-26 शुरू की गई है। इसके अंतर्गत विलंबित बिल के भुगतान पर सरचार्ज में भारी छूट दी गयी है। यह योजना 28 फरवरी, 2026 तक लागू रहेगी। पहले चरण में 3 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत सरचार्ज माफ रहेगा। दूसरा चरण एक जनवरी से 28 फरवरी, 2026 तक होगा, जिसमें 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ रहेगा।

भुगतान विकल्प में एकमुश्त भुगतान पर अधिकतम छूट मिलेगी। साथ ही 6 किश्तों में भुगतान की आसान सुविधा भी उपलब्ध है। पंजीयन हेतु घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को कुल बकाया का राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं को कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत जमा कर कराना होगा। उपभोक्ता अधिक जानकारी के लिए नजदीकी विद्युत मंडल कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या कंपनी की वेबसाइट और 1912 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

दुआरी में चल रही संगीतमय शिवपुराण कथा का श्रद्धालु कर रहे रसपान

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। रीवा शहर अंतर्गत दुआरी ग्राम में धनंजय प्रसाद तिवारी के निवास पर शिव महापुराण कथा 14 नवंबर से प्रारंभ है। कथा के 6वे दिन है संगीतमयी कथा श्रवण करने भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं जहां व्यासपीठ पर आसीन कथावक्ता संत शालिग्राम दास महाराज अपने मुखारविंद से कथा पंडाल में उपस्थित भक्तों को भगवान शिव के चरित्र का वर्णन सुना रहे हैं। पूज्य महाराज ने बताया की शिव महापुराण कथा सुनने से जन्म–जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं ।जब भगवान शिव की परम कृपा बरसती है तभी शिव महापुराण का आयोजन संभव हो पता है कथा में भजनों की प्रस्तुति श्रोताओं का मन मोह लेती है। कथा श्रोताओं में महिला और पुरुष की बराबर भागीदारी देखी जा रही है। मुख्य कथा श्रोता श्रीमती कुसुमकली धनंजय प्रसाद तिवारी है जिन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से कथा में पहुंचने की अपील की है कथा के अंतिम दिन 22 नवंबर को भंडारे का भी आयोजन किया गया है

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

एसआईआर में आ रही समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता कुँवर सिंह पटेल ने चुनांव आयोग को घेरा

लाखो की संख्या में गरीब,बहु-बेटियां व अनपढ़ हो जायेगे मतदाता सूची से बाहर- कुँवर

चुनांव आयोग पहले संभाले अपना घर,फिर दूसरे पर थोपे आदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । एसआईआर को लेकर प्रशासनिक अमले की जान हलक में है। जिला प्रशासन का फोकस एसआईआर के फॉर्म भरवाने और उसका डेटा अपलोड करवाने पर है। लेकिन बीएलओ कामयाब नही हो पा रहे है। जबकि 4 दिसंबर तक यह काम किसी भी स्थिति में पूरा करना है। वोटर अब भी बीएलओ द्वारा दिए फॉर्म आसानी से नहीं भर पा रहे हैं। जिसमे सबसे ज्यादा दिक्कत 2003 के एपिक आईडी (ईपीआईसी) की है। कहीं माता–पिता तो कहीं पति–पत्नी के एपिक आईडी को तलाशने में परेशानी आ रही है तो दूसरी परेशानी मतदाता के मिलने की है। फॉर्म में कुछ बिंदु ऐसे है जिनके लिए मतदाताओं को दो दशक पुराने (2003) रोल नंबर/भाग संख्या जैसे डेटा की जरूरत है। जिनके माता–पिता साथ नहीं रहते, उन्हें एपिक आईडी जुटाने में दिक्कत आ रही। जिसे लेकर कांग्रेस नेता कुँवर सिंह पटेल ने निर्वाचन आयोग को घेरते हुए कहा कि ये एसआईआर गरीबो के लिए अभिशाप है। निर्वाचन आयोग ने पहली बार अराजकता फैलाई है उन्होंने कहा कि इस एसआईआर से बहु बेटियों के नाम कटेगा ही, कोई सरल प्रक्रिया किये ही 2003 का वोटर लिस्ट ले रहे है। बहुत से गरीब होते है जो दूसरे जिलों में कमाने के लिए बाहर चले जाते है। वो कैसे वोटर लिस्ट प्राप्त करेंगे, जो नई नई बहुये है उन्हें लोकतंत्र से दूर करने का काम कर रहे है। ये मतदान संविधान में गरीब के लिए सबसे बड़ा न्याय है। उसी न्याय से दूर किया जा रहा है। आज डिजिटल इंडिया में फोटो चिपकाने की बात कर रहे है कैसे 5 किलो अनाज पाने वाला 100 रुपये की फोटो चिपकायेगा जब गरीब और बहू बेटिया मतदाता सूची में नाम ही नही जुड़वा पायेगा तो न्याय कहाँ होगा।

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान हैं?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
- कील मुहांसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का सांवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

अब हेलिकॉप्टर से पहुंचे कान्हा, बांधवगढ़-STR

एमपी में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा आज से; पहले दिन ट्रायल, आज से आम व्यक्ति के लिए उड़ेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की शुरूआत आज, गुरुवार से हो गई है। टूरिस्ट 3 टाइगर रिजर्व- कान्हा, बांधवगढ़-STR (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) के साथ ईको टूरिज्म सेक्टर और स्पिरिचुअल सेक्टर में हेलिकॉप्टर से जा सकेंगे। सप्ताह में 5 दिन तक उड़ान रहेंगी। बुधवार और गुरुवार को उड़ान नहीं है। इसलिए आज ट्रायल हो रहा है। इस दिन मंत्री, सांसद, विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधि हेलिकॉप्टर में बैठे, जबकि कल, शुक्रवार से हेलिकॉप्टर आम लोगों के उड़ेंगे। 1 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेवा की औपचारिक शुरूआत कर दी थी, लेकिन नियमित उड़ानें 20 नवंबर से शुरू होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस कार्यक्रम में 20 नवंबर से हेलिकॉप्टर सेवा की शुरूआत करने की बात कही थी, लेकिन शेड्यूल में आज का दिन शामिल नहीं है। इसलिए आम व्यक्तियों के लिए बुकिंग नहीं की गई है।

डबल इंजन वाले हेलिकॉप्टर : नई हेलिकॉप्टर सेवा में शामिल सभी हेलिकॉप्टर डबल इंजन वाले हैं। ताकि, उसमें बैठे यात्री सुरक्षित रह सके। सुरक्षा के पैमाने जानने के लिए जनप्रतिनिधियों को पहले भोपाल से पचमढ़ी, मढ़ई के लिए सांसद दर्शनसिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक ठाकुर दास नागवंशी, विजय पाल सिंह आदि ने सफर किया। बकायदा, इनका वजन कितना है? यह भी जांचा गया। ताकि, हेलिकॉप्टर में ज्यादा वजन न हो। छोटे-छोटे रूट्स बनाए गए हैं। ताकि इमरजेंसी लैंडिंग की सुविधा हो। यही बैकअप स्थान चिन्हित किए गए हैं।

जबलपुर में मंत्री ने किया सफर : एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सुबह 11.20 बजे इस सेवा का शुभारंभ किया। अब जबलपुर से कान्हा, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, धार्मिक स्थल मैहर, चित्रकूट और अमरकंटक पहुंचना आसार होगा। यह सेवा सप्ताह में पांच दिन रहेगी। केंद्रीय विमानन मंत्रालय और मप्र पर्यटन बोर्ड की देखरेख में फ्लाई ओला कंपनी इसका संचालन करेगी। जबलपुर से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटक उड़ान भर सकेंगे।

टूरिस्ट हब है महाकौशल : इस मौके पर मंत्री सिंह ने कहा कि महाकौशल टूरिस्ट हब है। जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हवाई सेवा के माध्यम से यहां आने वाले पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिल गई है। बहुत ऐसे पर्यटक आते हैं, जो कम समय में ज्यादा से ज्यादा स्थानों पर घूमना चाहते हैं, लेकिन सड़क मार्ग से यह मुमकिन न था। पीएमश्री हेलिकॉप्टर सेवा ने इस समस्या को खत्म कर दिया है। इससे जहां कम समय में ज्यादा से ज्यादा स्थानों तक पहुंचना आसान हो गया है, वहीं रोजगार भी बढ़ेगा। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि भेड़ाघाट के पास हेलीकॉप्टर का बेस बनाया है। जहां से पर्यटकों को उनके पसंद के पर्यटन स्थल ले जाया जाएगा। इस सेवा के लिए अलग-अलग दूरी के हिसाब से किराया तय किया गया है। जबलपुर से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटक उड़ान भर सकेंगे। सभी पर्यटन स्थलों में कंपनी ने हैलीकॉप्टर की सफल लैंडिंग के लिए बेस बनाया है। पर्यटकों को पर्यटन स्थल के आसपास उतारने की व्यवस्था है। पर्यटक कंपनी के ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी ले सकते हैं।

डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन विद्यार्थी हित की सार्थक पहल : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल का शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल उच्च शिक्षा की बेहतरी की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। पोर्टल, विद्यार्थी हित की सार्थक पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक गतिविधियों में तकनीकी नवाचार से विद्यार्थियों को वेरीफिकेशन की जटिल प्रक्रिया से राहत मिलेगी। रोजगार और प्लेसमेंट आदि जरूरी प्रक्रियाएं सुरक्षित रूप में सरलता और शीघ्रता से हो सकेगी। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष नवाचार सराहनीय है। उन्होंने पोर्टल के माध्यम से डिग्री वेरिफि केशन प्रक्रिया को समझा। स्वयं रेंडम परीक्षण किया। पोर्टल को सफलतापूर्वक लोकार्पित करने के लिए समस्त विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने गुरुवार को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल का वन क्लिक से शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन में किया गया था। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री सुरेश कुमार जैन, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, कुल सचिव श्री अनिल शर्मा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैंक के 7 खातों से 9.84 करोड़ की साइबर ठगी

मृत व्यक्ति के खाते से भी ट्रांजैक्शन, बैतूल पुलिस ने इंदौर में दबिश देकर 3 आरोपी पकड़े

बैतूल। बैतूल पुलिस ने राज्य की सबसे बड़ी साइबर ठगी में से एक का खुलासा किया है। एक ही बैंक की सात शाखाओं के खातों से 9 करोड़ 84 लाख रुपए का हेरफेर किया गया। इनमें एक मृत व्यक्ति के खाते से भी लगातार लेन-देन होते रहे। हाईटेक जांच के बाद पुलिस ने इंदौर में दबिश देकर तीन आरोपियों को पकड़ा और बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बरामद की।

मामला तब सामने आना शुरू हुआ जब खेड़ी सावलीगढ़ निवासी मजदूर बिसराम इवने ने कलेक्टर और रढ ऑफिस में शिकायत दी थी कि उसके जन-धन खाते में करीब दो करोड़ रुपए के संदिग्ध लेन-देन दिख रहे हैं। गरीब मजदूर के खाते में इतने बड़े ट्रांजैक्शन देखकर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। रढ वीरेंद्र जैन के निर्देश पर साइबर सेल ने तकनीकी जांच शुरू की।

7 खातों से 9.84 करोड़ का हेरफेर, मृत व्यक्ति का खाता भी एक्टिव : जांच में पता चला कि एक ही बैंक की सात शाखाओं के खातों से 9.84 करोड़ का हेरफेर किया गया। इनमें बिसराम इवने, नर्मदा इवने, मुकेश उइके, नीतेश उइके, अमोल, चंदन और राजेश बर्दे के खाते शामिल थे। राजेश बार्डे का नाम आते ही जांच रुक गई, क्योंकि राजेश की मृत्यु हो चुकी थी। इसके बावजूद उसके खाते में लेन-देन जारी था, मोबाइल नंबर बदला गया था, नया अळट कार्ड जारी हुआ था और इंटरनेट बैंकिंग चल रही थी।

ऑनलाइन निवेश व इनाम का झांसा देते थे : जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह लोगों को ऑनलाइन निवेश, इनाम या नौकरी का लालच देकर उनके बैंक अकाउंट तक पहुंच बना लेता था। उनके खातों से रकम निकालकर बैतूल में खोले गए इन फर्जी और चोरी हुए खातों में जमा की जाती थी।इन खातों से पैसा तुरंत निकाल लिया जाता था ताकि ट्रेस करना मुश्किल हो जाए। यह चेन लगातार सक्रिय थी और हर दिन लाखों रुपए इधर से उधर किए जा रहे थे। साइबर सेल की जांच में पता चला कि बैंक में पासबुक एंट्री करने वाला टेंपररी कर्मचारी राजा उर्फ आयुष चौहान गिरोह के लिए बैंक की गोपनीय जानकारी बाहर भेजता था। खाते से जुड़े ङउ दस्तावेज, मोबाइल लिंकिंग की जानकारी और ग्राहक डेटा इसी रास्ते गिरोह तक पहुंचा। गिरोह ग्राहक डेटा के आधार पर पूरी 'किट' तैयार करता था।

भोपाल में रिटायर्ड बैंक मैनेजर से 68 लाख की ठगी

4 करोड़ के फ्रॉड में जेल भेजने की धमकी दी, भोपाल पुलिस बनकर किया डिजिटल अरेस्ट

भोपाल। भोपाल के शाहपुरा इलाके में रहने वाले रिटायर्ड बैंक मैनेजर के साथ डिजिटल अरेस्ट कर 68 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को भोपाल पुलिस बता कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने स्टेट साइबर में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय दयाराम देशमुख शाहपुरा में रहते हैं। उनके बेटे पियूष देशमुख ने बताया कि पिता बैंक ऑफ इंडिया के रिटायर्ड मैनेजर हैं। सोमवार को अज्ञात मोबाइल धारक ने उन्हें कॉल किया और स्वयं को भोपाल पुलिस अधिकारी बताकर उनके कार्यकाल के दौरान हुए चार करोड़ रुपए के फ्रॉड के मामले में जेल भेजने की धमकी दी।

सहयोग का दिया भरोसा, कमरे में रखा डिजिटल अरेस्ट

आरोपियों ने उनकी बहन को भी जान का खतरा होने की चेतावनी दी। इससे दयाराम देशमुख घबरा गए और पूरी घटना अपनी पत्नी को बताई। बाद में आरोपियों ने जांच में सहयोग का भरोसा दिलाया और उन्हें एक कमरे में "डिजिटल अरेस्ट" रखा। इसके बाद उनके मोबाइल में सिग्नल ऐप डाउनलोड कराया गया और वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे पूछताछ की गई। पूरी घटना को असली दिखाने के लिए पूछताछ करने वाला व्यक्ति पुलिस अधिकारी की तरह वर्दी पहने ऑफिस में बैठा था। आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि यदि वे जांच में सहयोग करेंगे तो उन्हें बचा लिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सुरक्षा राशि के तौर पर कुछ रकम अपने बताए खातों में ट्रांसफर करने को कहा।

68 लाख रुपए लिए, कहा- अब खतरा नहीं : इसके बाद मंगलवार को माता-पिता बैंक पहुंचे और पांच अलग-अलग एफडीओ से करीब 68 लाख रुपए आरोपियों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए। आरोपियों ने कहा कि अब किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने तक किसी को इस बारे में जानकारी नहीं देनी है।

जब मामला बेटे के संज्ञान में आया, तो उन्होंने पिता को लेकर स्टेट साइबर कार्यालय पहुंचे और गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई।

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में भूमिहीन परिवारों को मिलेगा आवासीय भूमि का पट्टा

भोपाल। राज्य सरकार ने नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले भूमिहीन और आवासहीन परिवारों को आवासीय भूमि के पट्टाधिकार प्रदान करने के लिए 20 नवम्बर गुरूवार से व्यापक अभियान शुरू किया है। आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि यह अभियान 13 दिसम्बर 2025 तक चलेगा। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा राजस्व विभाग ने संयुक्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत बीएलसी और एएचपी घटकों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार ने वर्ष 1984 के मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधिकार) अधिनियम में संशोधन करते हुए पात्रता तिथि को 31 दिसम्बर 2020 निर्धारित किया है। इस तिथि तक सरकारी, नगर निकाय या विकास प्राधिकरण की भूमि पर वास्तविक रूप से काबिज ऐसे आवासहीन परिवार पट्टाधिकार प्राप्त करने के पात्र होंगे। राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य 20 नवम्बर से 13 दिसम्बर तक चलेगा। सूची 14 दिसम्बर को प्रकाशित की जाएगी। किसी भी आपत्ति या सुझाव के निराकरण के बाद 29 दिसम्बर को अंतिम सूची संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा जारी की जाएगी। यह सूची संबंधित जिला कार्यालय की वेबसाइट और विभागीय वेबसाइट ६६६.स्त्र४१ुल्ल.ॅङ्म५.ल्ल पर भी उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक जिले में सर्वेक्षण दल गठित किए जाएंगे, जिनमें राजस्व अधिकारी प्रमुख होंगे और सर्वेक्षण के दौरान आधार ी-ङउ आधारित समग्र क्क्र अनिवार्य रहेगी। नगरीय विकास आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित की जाएगी। अंतिम सूची जारी होने के बाद पात्र हितग्राहियों को आवासीय भूमि के स्थाई एवं अस्थायी पट्टों का वितरण 4 जनवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 के मध्य किया जाएगा। स्थाई पट्टे लाल रंग में और अस्थायी पट्टे पीले रंग में प्रदान किए जाएंगे। जिन क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों का अन्यत्र पुनर्व्यवस्थापन आवश्यक है, वहां समिति के निर्णय के अनुसार हितग्राहियों को वैकल्पिक स्थान पर व्यवस्थित किया जाएगा। स्थाई रूप से पट्टा प्राप्त क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, नालियां, बिजली और अन्य आवश्यक अधोसंरचना का विकास नगरीय निकाय एवं विकास प्राधिकरणों द्वारा प्राथमिकता से किया जाएगा।

प्रदेश के स्कूलों में पढ़ाये जा रहे पाठ्यक्रम पर हो निरंतर रिसर्च

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह की पाठ्यक्रम समिति के सदस्यों से हुई चर्चा

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने प्रदेश के स्कूलों में पढ़ाये जा रहे पाठ्यक्रम पर निरंतर शोध करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में प्रदेश की संस्कृति, विरासत, आंचलिक विशेषताओं और जनजातीय गौरव जैसे विषयों को शामिल किये जाने पर विशेष ध्यान दिया जाये। इस प्रक्रिया से बच्चों को मध्यप्रदेश की विशेषताओं को समझने का मौका मिलेगा। स्कूल शिक्षा मंत्री बुधवार को मंत्रालय में पाठ्यक्रम समिति के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे?। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में और वृद्धि के लिये शिक्षकों को लगातार प्रशिक्षण दिये जाने पर भी जोर दिया।

पाठ्यक्रम समिति के सदस्यों ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के सुझाव दिये। बैठक में तय हुआ कि स्कूल पाठ्यक्रम तैयार करने के लिये होने वाली बैठकों और कार्यशाला का निर्धारित कैलेण्डर तैयार किया जाये। बैठक में तय हुआ कि राज्य शिक्षा केन्द्र की लाइब्रेरी में अनुसंधान से जुड़ी पुस्तकों के संग्रह का विस्तार किया जाये। पाठ्यक्रम समिति की बैठकों में एनसीईआरटी के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके भी सुझाव लिये जायें। बैठक में विभाग के टीचर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट के प्रस्तावित भवन के संबंध में भी चर्चा हुई। बैठक में पाठ्यक्रम समिति के सदस्य डॉ. रविन्द्र कन्हारे, डॉ. अल्केश चतुर्वेदी, डॉ. भागीरथ कुमावत एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

देश को डायमंड स्टेट और टाइगर स्टेट का दर्जा दिलाने का श्रेय पन्ना को : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पन्ना डायमंड अब बन गया है एक ब्रांड, इससे बनेंगे निवेश के नए अवसर : जीआई टैग मिलने से पन्ना डायमंड को मिली है वैश्विक पहचान

रैपुरा में बनेगा नवीन महाविद्यालय

ग्राम पंचायत शाहनगर को नगर परिषद बनाया जाएगा

शाहनगर ब्लॉक में खुलेंगे दो अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 83 करोड़ रूपए के 14 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पन्ना की रत्नगर्भा भूमि किसी पहचान की मोहताज नहीं है। पन्ना ने खुद के साथ मध्यप्रदेश को भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन दिनों जहां देखो, उधर अपना पन्ना ही चमक रहा है। पन्ना की पुण्यधरा से निकलने वाले पारस (हीरा) से मध्यप्रदेश पूरे विश्व में मशहूर हो रहा है। मध्यप्रदेश को 'डायमंड स्टेट' और 'टाइगर स्टेट' का दर्जा दिलाने का श्रेय भी पन्ना को ही जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना डायमंड को जीआई टैग मिलने पर जिलेवासियों को बधाई देते हुए कहा कि जीआई टैग ने पन्ना की पहचान पर अब वैश्विक मुहर लगा दी है। अब पूरी दुनिया यहां के हीरों को 'पन्ना डायमंड' के नाम से ही जानेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'पन्ना डायमंड' अब एक ब्रांड के रूप में उभर रहा है। इससे न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान बढ़ेगी, बल्कि वैल्यू-चेन, माइनिंग, प्रोसेसिंग, एक्सपोर्ट और जेम-आधारित उद्योग, सबमें निवेश के नए अवसर सामने आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना जिले को बहुत जल्द मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने वाली है। आज पन्ना और छतरपुर के बीच भव्य राजगढ़ पैलेस होटल का शुभारंभ भी हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को पन्ना जिले की पवई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहनगर में हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां करीब 83 करोड़ रूपए की लागत वाले 14 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 9 करोड़ रूपए की लागत से बनी बिसानी-श्यामगिरी-कल्दा-सलेहा वाया मैन्हा मार्ग के उन्नयन कार्य का लोकार्पण एवं 74 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले 13 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री ने 4.25 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले पवई में तिघरा बैराज का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्या पूजन कर हितग्राही सम्मेलन की शुरूआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मारतम् गायन के साथ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर रैपुरा में नवीन महाविद्यालय खोलने, वर्तमान ग्राम पंचायत शाहनगर को नगर परिषद बनाने तथा शाहनगर ब्लॉक में दो अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने करीब 135 करोड़ की लागत से टिकरिया-रीठी वाया खमरिया मार्ग का निर्माण करने, शाहनगर-बोरी-चमरईया सड़क मार्ग के चौड़ीकरण सहित पुराने बांधों की नहरों का सर्वे कराकर मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का काम कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवई और शाहनगर महाविद्यालय में विधि और विज्ञान संकाय भी शुरू किया जाएगा तथा शाहनगर के बंद उद्योग फिर से शुरू कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना के विकास को नई उड़ान देने के लिए राज्य सरकार पन्ना में 15 करोड़ की लागत से डायमंड बिजनेस पार्क तैयार कर रही है। यह पार्क पन्ना की अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय लिखेगा। इसके साथ बड़ागांव में 40 हेक्टेयर क्षेत्र में औद्योगिक पार्क का विकास लगभग पूर्ण है। वर्षों से बंद पड़ी एनएमडीसी परियोजना को हमने पुनः प्रारंभ कराया गया है, जिससे बड़े स्तर पर हीरो का खनन एक बार फिर प्रारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना जिले के विकास को नया रूप देगी। केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना से जिले में 1 लाख 35 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और 600 से अधिक गांवों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। हमारे पवई को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पन्ना टाइगर रिजर्व, विश्व प्रसिद्ध हीरे, समृद्ध वन संपदा, केन नदी का अ?द्भुत कछार और राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियां सब मिलकर आने वाले वर्षों में जिले की अर्थव्यवस्था को एक नए स्वरूप में ढालने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पन्ना टाइगर रिजर्व वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। बाघों की बढ़ती संख्या, पार्क की वैश्विक प्रतिष्ठा और पर्यटकों का रुझान, स्थानीय युवाओं के लिए गाईडिंग, होटल रिसॉर्ट, ट्रांसपोर्ट और हैंडीक्राफ्ट जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर बना रहा है। सरकार द्वारा होम-स्टे, एडवेंचर टूरिज्म और कनेक्टिविटी सुधारने के प्रयासों से क्षेत्र के विकास को गति मिल रही है। हम पन्ना जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण में पन्ना पूरे प्रदेश में अग्रणी है। यहां 10 हजार 301 स्व-सहायता समूहों की 1 लाख से अधिक बहनों को 180 करोड़ रुपए से ज्यादा का बैंक लिंकेज मिला है, जिसमें से लगभग 18 हजार महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना जिले की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। लाड़ली बहनों को प्रति माह 1500 रुपए राशि भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि पन्ना जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए करीब 25 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है और संबंधित निवेशक के साथ एमओयू भी हो चुका है। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पवई बांध ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना द्वारा 158 ग्रामों में पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

नक्सली मुठभेड़ मे जिले का सपूत हुआ शहीद

राजकीय सम्मान के साथ आज दी जाएगी अंतिम विदाई : जनवरी में होने वाली थी शादी , फैला मातम

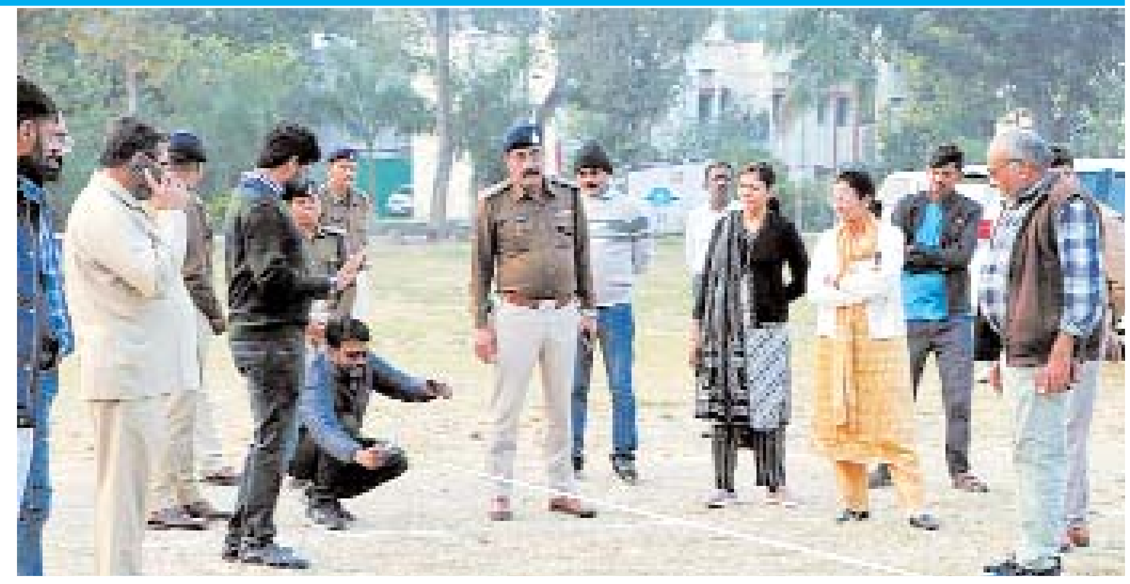

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस बुधवार को छत्तीसगढ़ , महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश की सीमा क्षेत्र से लगे बालाघाट जिले की राजनांदगांव के पास स्थित डोंगरगढ़ इलाके व बोरतलाव थाना क्षेत्र में हुई नक्सली मुठभेड़ मे जिले का वीर सपूत निरीक्षक आशीष शर्मा शहीद हो गाए। उक्त घटना की सूचना जैसे ही जिले एवं गांव वासियों को मिली तो सभी की आंखे नम हो गई। ज्ञात हो कि आशीष शर्मा मध्यप्रदेश हार्कफोर्स में इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ थे। मिली जानकारी के अनुसार मुठभेड़ मे उन्हे सीने, पेट व पैर मे गोली लगी जिससे उनकी मौत हो गई। शहीद होने की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ट्वीटर पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

नक्सली छिपे होने की मिली थी सूचना

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र पुलिस की एक संयुक्त सर्चिंग टीम को बुधवार सुबह सीमावर्ती इलाके में नक्सल विरोधी अभियान चला रही थी, जहां तीनों राज्यों के बॉर्डर पर स्थित बोरतलाव क्षेत्र में करीब 25 से 30 नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। जैसे ही संयुक्त सर्चिंग टीम घटनास्थल पर पहुंची, नक्सलियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बताया गया है कि इंस्पेक्टर आशीष शर्मा उस समय तीनों टीमों का नेतृत्व कर रहे थे और इसी फायरिंग की जद में आने से उन्हें गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल आशीष शर्मा को तत्काल डोंगरगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शहादत की सूचना मिलते ही, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं स्थानीय विधायक ने तत्काल शहीद के निवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को संवेदनाएं प्रदान कीं।

दो बार मिल चुका वीरता पदक

जिले की गाडरवारा तहसील के ग्राम बोहानी निवासी आशीष शर्मा वर्ष 2016 बैच के प्लाटून कमांडर थे। आशीष शर्मा तीन राज्यों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की संयुक्त नक्सल उन्मूलन टीम का नेतृत्व कर रहे थे। बुधवार को नक्सलियों के मूवमेंट की सूचना के बाद जंगल में आशीष शर्मा टीम के साथ सर्चिंग पर गए थे जहां नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। आशीष शर्मा के पिता देवेन्द्र शर्मा किसान हैं एवं एक छोटा भाई है जो भोपाल में पढ़ाई कर रहा है। शहीद आशीष शर्मा के परिचितों ने बताया कि आशीष शानदार व्यक्तित्व के धनी थे। हाल ही में उनकी शादी तय हुई थी और जनवरी के महीने में उनकी शादी होने वाली थी। आशीष शर्मा को पूर्व में कर्तव्य के दौरान साहस व असाधारण बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए दो बार भारत सरकार द्वारा वीरता पदक से सम्मानित किया गया था। नक्सली को मार गिराने पर दो वर्ष पूर्व इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को सब इंस्पेक्टर से आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देकर इंस्पेक्टर बनाया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और पूर्व डीजीपी सुधीर सक्सेना ने आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया था।

मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के शहीद होने की खबर से उनके गांव में दुख का माहौल है। वहीं मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी ट्विटर पर पोस्ट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सीएम मोहन यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा है- आज म. प्र. हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा नक्सलियों से मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनका सर्वोच्च बलिदान राष्ट्रीय नक्सल उन्मूलन अभियान में सदैव अविस्मरणीय रहेगा तथा उन्होंने नरसिंहपुर जिले के गौरवशाली इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कर दिया है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की संयुक्त टीम द्वारा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के जंगलों में नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान उन्होंने अभूतपूर्व वीरता और साहस का प्रदर्शन किया। नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। शहीद आशीष शर्मा को राजकीय सम्मान को विदाई दी जावेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भी शहीद के अंतिम विदाई कार्यक्रम में शामिल होगें।

पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया गया किसानों के लिए आज पीएम सम्मान निधि की 21 वी किश्त जारी की गई। इस अवसर पर जिले के सीएससी केंद्रों पर पीएम सम्मान निधि के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किसानों को दिखाया गया। सीएससी केंद्रों मे डीजीपे के माध्यम से राशि निकासी की सुविधा उपलब्ध होने पर किसानों द्वारा पैसे भी निकाले गए। सीएससी द्वारा केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित जन हितैषी सेवाओ का संचालन जैसे द्द आधार केंद्र, बैंक कीओस्क, टेली लॉ सर्विस, आयुष्मान, पी.एम.विश्वकर्मा योजना, पी. एम. किसान के ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी, लाडली बहना ई- केवायसी, ई- डिस्ट्रिक्ट सेवाएं, बैंकिंग सेवाए, बीमा सेवाए आदि कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से प्रत्येक ग्राम एवं शहरी क्षेत्रो में प्रदान किया जा रहा है।

संभाग स्तरीय व्हालीबॉल महिला प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर 2025-26 के अनुसार संभाग स्तरीय अंतर जिला व्हालीबॉल महिला प्रतियोगिता का आयोजन आज प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में संपन्न हुआ प्रतियोगिता में जबलपुर जिला कटनी जिला एवं नरसिंहपुर जिले की टीम ने सहभागिता की प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जबलपुर और नरसिंहपुर के मध्य खेला गया जिसमें जबलपुर 2.0 से विजई रहा। प्रतियोगिता में अतिथियों के रूप में डॉ. सतीश दुबे, डॉ. अधीकेश राय, देवेंद्र दुबे, मृदुलेश दुबे, पंकज नेमा, डॉ. एस. के. उपरेलिया, डॉ.जी. एस. मर्सकोले, डॉ. आलोक तिवारी द्वारा विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रोहित विश्वकर्मा, विजय सेन, मानसी कुशवाहा, शिखर सिंह, दीपक कंसारा एवं जीजीबाई द्वारा निभाई गई।

दीपांजलि कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस नरसिंह सिंगिंग स्टार्स नॉन प्रोफेशनल सिंगर ग्रुप के द्वारा दीपावली पश्चात दीपांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय अमर पैलेस होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमआईएमटी कॉलेज के चेयरमैन इंजीनियर रूद्रेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे सभी ने अपनी सुमधुर गीतों की प्रस्तुतियां दी करेली से पधारे अतिथियों विजय नेमा, कौशल नेमा, पंकज गुप्ता, अमित जैन एवं उसके साथियों ने भी अपने गीतों के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज की ग्रुप के सदस्य श्रीमती स्वाति जैन एवं शासकीय महाविद्यालय में गणित विषय के प्राध्यापक डॉ गणेश सोनी को हाल ही में प्राप्त विशेष पुरस्कार के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक पंकज सागर, अजय शुक्ला, राव तरेंद्र, मनीष चौकसे, मुकेश गुप्ता, नीलेश मलैया, मनोज नेमा, मुकेश नेमा, रविंद्र जैन, संजय तिवारी, ऋषभ जैन, नीरज गुप्ता, इंजीनियर निशा सोनी, कमलेश सोनी ने अपनी प्रस्तुतियां दी कार्यक्रम का संचालन मनीष नेमा एवं अमित जैन ने किया उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी संजय राय द्वारा दी गई।

पुष्पांजलि सभा का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। प्रख्यात जनप्रिय राजनेता एवं म.प्र.शासन के पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान की जयंती के अवसर पर आज 20 नवम्बर को एम.आई.एम.टी. कालेज नरसिंहपुर द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रातः 10:30 बजे स्थानीय मुक्तिधाम में स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान के समाधि स्थल पर प्रति वषार्नुसार पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया एवं एन.सी.सी. दल द्वारा सलामी दी गई। इसके पश्चात प्रातः 11:00 बजे जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने गणमान्य जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बालिकाओं को स्वागत किट की वितरित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में जन्मी 39 नवजात बालिकाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत स्वागत किटों का वितरण किया। कलेक्टर ने किट के माध्यम से नवजात बालिकाओं के लिए एक जोड़ी कपड़े, खिलौना, बेबी कंबल आदि सामग्री प्रदान की। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने नवजात बालिकाओं और उनकी मां के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने पोषण आहार लेने की सलाह दी। इस दौरान स्वागत किट पाकर माताएं प्रसन्न नजर आई। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर राधेश्याम वर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर, सहायक संचालक सुश्री प्राजंली मर्सकोले सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के द्वारा बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना का संचालन किया जा रहा है। इस दौरान जिले में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेलेंगे गिल, पंत करेंगे कप्तानी

गुवाहाटी। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शुक्रवार को गुवाहाटी में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उनकी गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा ज्यादा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है।

गिल के बाहर होने की वजह से, इंडिया को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना होगा। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया गया था। तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर बाउंस भी ठीक नहीं था, जिसके बाद भारत 30 रन से मैच हार गया। गिल अक्टूबर 2024 में गर्दन में ऐंठन के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच भी नहीं खेल पाए थे।

पर्थ में पहले एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान, दो नए खिलाड़ियों की एंट्री

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के स्टैंड–इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग ककन्फर्म की है, जिसमें आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले के लिए दो नए खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई टीम बेसब्री से इंतजार किए जा रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले के लिए दो नए खिलाड़ियों को उतारेगी, जिसमें ओपनर जेक वेदराल्ड और पेसर ब्रेंडन डॉगेट दोनों को कमें शामिल किया गया है, जैसा कि ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने इस हफ्ते की शुरुआत में आईसीसी रिव्यू में भविष्यवाणी की थी। इन बदलावों का मतलब है कि हाल के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर थोड़े से अंतर से बाहर हो गए हैं। मार्नस लाबुशेन पिछले टेस्ट मैचों में बाहर रहने के बाद नंबर 3 पर टॉप ऑर्डर में वापस आ गए हैं।

ईडी का अनिल अंबानी पर शिकंजा! करोड़ों की संपत्ति जब्त, मुश्किलों में फंसा रिलायंस समूह

नई दिल्ली। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के लिए ये वक्त काफी मुश्किलों भरा है। रोजाना किसी न किसी तरह की मुसीबत उनको घेरे हुए है। पिछले दिनों पूछाताछ का लंबा सिलसिला चलता रहा और अब ईडी की रेड। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत करोड़ों रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। सूत्रों ने बताया कि देश के विभिन्न भागों में स्थित संपत्तियों के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनंतिम कुर्की का यह नया आदेश जारी किया गया है। इस मामले पर अभी रिलायंस समूह से प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सूत्रों ने बताया कि नवीनतम आदेश के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। इस मामले में कुर्क की गयी कुल संपत्ति की कीमत लगभग 9,000 करोड़ रुपये है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (ढक्छ) फाइल की गई है, जिसमें अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उसके सब्सिडियरी ग्रुप्स से जुड़े कथित बड़े बैंक फ्रॉड की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। पिटीशन में उठाए गए ग्राउंड्स पर विचार करने के बाद, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (उखक) बीआर गवई की लीडरशिप वाली बेंच ने मंगलवार को केंद्र सरकार, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (उइक) और एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (एऊ) को नोटिस जारी कर पिटीशन पर उनके जवाब मांगे हैं। पूर्व यूनियन सेक्रेटरी ईएएस सरमा की फाइल की गई पिटीशन में कहा गया है कि अनिल अंबानी की फ्ळडट द्वारा किए गए कथित फ्रॉड की सेंट्रल एजेंसियों, एऊ और उइक द्वारा की जा रही जांच के अलावा एक इंडिपेंडेंट और ट्रांसपेरेंट जांच की जरूरत है।

भेड़ाघाट से शुरू हुई पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा

जबलपुर से कान्हा और बांधवगढ़ की यात्रा होगी और आसान

मंत्री सिंह ने पीएम पर्यटन हेलीकाप्टर सेवा का किया शुभारंभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर से कान्हा और बांधवगढ़ पहुंचना अब और आसान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जबलपुर से आज 20 नवंबर को पीएम हेली पर्यटन सेवा का लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुभारंभ किया। यह हेली पर्यटन सेवा सप्ताह में पांच दिन पर्यटक जबलपुर से बांधवगढ़ और कान्हा तक हेलीकॉप्टर से पहुंच सकेंगे। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने कहा कि जबलपुर स्वाभिक रूप से टूरिस्ट हब है, यहां पर पर्यटन की असीम संभावनाएं है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी सोच ने मध्यप्रदेश में पीएमहेली पर्यटन सेवा शुरू की है और इसमें जबलपुर को जोड़ा है। आज भेड़ाघाट से विधिवत इसकी शुरूआत हुई है। जिसके माध्यम से पर्यटक कान्हा, बांधवगढ़, मैहर, चित्रकूट ऐसे सभी स्थानों पर जा सकेंगे और वापस आ सकेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में एक बड़ी आवागमन की सुविधा मिली है। अब पर्यटक सीमित समय में अधिक से अधिक पर्यटन स्थल पहुंचकर पर्यटन कर सकेंगे। यह सेवा पर्यटन के साथ-साथ रोजगार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगी। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी, नीरज सिंह, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल और कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। पीएम हेली पर्यटन सेवा के शुभारंभ के दिन एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार संजीव चौधरी, जनपक्ष समाचार के वरिष्ठ पत्रकार विपल्व अग्रवाल तथा समाज सेवी ध्रुव नारायण दुबे व अनिल तिवारी ने भेड़ाघाट से बांधवगढ़ और कान्हा का पर्यटन किया।

जबलपुर नगर निगम सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में प्रदेश में नंबर-1

98.58% मामलों का हुआ संतुष्टिपूर्ण निराकरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार की सतत मॉनिटरिंग और टीम वर्क का नतीजा है कि सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग में जबलपुर नगर निगम ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। अक्टूबर 2025 की जारी ग्रेडिंग के अनुसार नगर निगम ने 98.58 प्रतिशत वेटेज स्कोर हासिल किया है। नगर निगम को कुल 3539 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 59.34 प्रतिशत शिकायतों का समाधान शिकायतकर्ताओं से चर्चा कर उनकी संतुष्टि के बाद किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निगम को ए ग्रेड प्रदान किया गया है। सीएम हेल्पलाइन प्रभारी सहायक आयुक्त श्रीमती शिवांगी महाजन ने बताया कि यह उपलब्धि निगमायुक्त के स्पष्ट निदेशों, मार्गदर्शन और टीम भावना से हुए प्रभावी कार्य का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आगे भी इसी रैंकिंग को बनाए रखने के लिए निगम की टीमें निरंतर प्रयासरत रहेंगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षणः कलेक्टर-निगमायुक्त का देर रात तक निरीक्षण, तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मतदाता गहन पुनरीक्षण 2026 को समयसीमा में पूर्ण कराने के लिए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार लगातार मैदानी स्तर पर निगरानी कर रहे हैं। दोनों अधिकारी देर रात 1 बजे तक वार्डों और संभाग क्रमांक 3, 6, 8 और 9 में पहुंचे और एसडीएम, डीओ, बीएलओ एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों से सीधी चर्चा की। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ह्लआज का काम आज ही पूरा होह्व, साथ ही प्रति ऑपरेटर 150 फार्म डिजिटाइजेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही या देरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अफसरों को कार्य में तेजी लाने के लिए सुझाव भी दिए गए और टीम का मनोबल बढ़ाते हुए इसे चुनौती की तरह लेकर पूरा करने को कहा गया।

विकासात्मक सोच के कारण गांव-गांव पक्की सड़कें बन रही हैः मंत्री सिंह

मंत्री सिंह ने 28.34 करोड़ की लागत से किया बरेला से पड़वार मार्ग निर्माण कार्य का भूमिपूजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज पनागर विधानसभा अंतर्गत 28.34 करोड़ की लागत से 10 किलोमीटर लंबी बरेला से पड़वार मार्ग निर्माण कार्य भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक समय था जब छोटी-छोटी सड़कों के लिए संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विकासात्मक सोच के कारण गांव-गांव पक्की सड़कें बन रही है। उन्होंने कहा कि अब सिर्फ कागजों पर दिखने वाला विकास नहीं बल्कि यथार्थ की धरातल में दिखने वाला विकास है और यह सब विकास आधारित सकारात्मक सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़े फ्लाई ओव्हर जबलपुर में बना है, जिसे देखने के लिए लोग दूसरे प्रदेश से जबलपुर आते हैं। चार हजार करोड़ की लागत से 118 किलोमीटर की रिंग रोड सकारात्मक सोच का परिणाम है। इसका सीधा लाभ किसानों को है। पहले जो जमीन 4-5 लाख रुपए एकड़ बिकती थी अब उसकी कीमत करोड़ो में है। जब विकास होता है तो क्षेत्र में समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकासवादी सोच की सरकार है। लगभग 2 साल में लोक निर्माण विभाग द्वारा 3 हजार 500 करोड़ की सड़के बनी है। उन्होंने कहा कि यह सड़क दस माह में गुणवत्ता के साथ पूर्ण होगी। मंत्री सिंह ने कहा कि पहले किसी ने नहीं सोचा था कि बेटियां लाडली लक्ष्मी बनेंगी और यह भी नहीं सोचा था कि बहनें लाडली बहना बनेंगी। माता व बहने परिवार में संकट के समय अपने गुल्लक से सहायता करती हैं, सुख-दुख में साथ देती है, इसी कारण हमारे समाज में मातृ शक्ति का स्थान पूजनीय है। मंत्री सिंह ने कहा कि हमारी योजनाएं आज घर-घर में है। आयुष्मान योजना अंतर्गत पांच लाख तक का ईलाज फ्री में होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना है। इसके साथ ही अन्य कई योजनाएं हैं जिससे जनता का कल्याण हो रहा है। अब तुष्टिकरण की नहीं बल्कि संतुष्टिकरण की नीति से जनता की सेवा की जा रही है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुशील इंदु तिवारी ने बरेला से पड़वार की सड़क के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयासों के बारे में बताया। साथ ही लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के माध्यम से यह कार्य साकार होने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि अब इससे लगभग 50 गांव जुड़ेंगे और क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, सुभाष तिवारी रानू सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

लंबित अपराधों का जल्द करें निकाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। थाना बरेला का वार्षिक निरीक्षण करने पहुंचे एसपी सम्पत उपाध्याय ने हवालात, मालखाना, जप्ती माल, आर्म्स एम्यूनेशन, राईट ड्रिल सामग्री तथा संधारित रजिस्टरों को किया चैक करते हुए थाना प्रभारी अनिल पटेल से कहा कि सीएम हेल्पलाईन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का संतुष्टीपूर्ण निकाल करें। एसपी ने अपराधों की समीक्षा करते हुए विवेचना में लंबित अपराधों के निकाल के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। एसपी सम्पत उपाध्याय ने निरीक्षण दौरान समीक्षा करते हुए थाना में लिस्टिड गुंडा एवं निगरानी बदमाशों की प्रोफाइल जिसमे पूर्व में मोबाइल नम्बर, फोटो आदि अपडेट को चैक किया गया। एसपी ने कहा कि पूर्व में पकड़े गए सम्पत्ति संबंधी अपराधियों एवं जेल से रिहा हुए सम्पत्ति संबंधी अपराधियों की लगातार गुजर बसर की जांच करें। थाना में उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, बुजुर्ग एवं समाज के कमजोर वर्गो के प्रति संवेदनशील रहते हुए इनके द्वारा की गई शिकायतों पर तत्काल विधिसंगत कार्यवाही करते हुए राहत पहुंचाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। थाना स्टाफ से एसपी ने कहा कि आपको किसी भी प्रकार की यदि कोई समस्या है तो मुझे तत्काल बताएं आपकी समस्या का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा। थाना निरीक्षण उपरांत एसपी थाना के बाहर परिसर तथा बरेला पुलिस लाईन का भी निरीक्षण किया है।

कलेक्टर ने भेड़ाघाट में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण, आमजन को एसआईआर के लिए प्रेरित किया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, श्री राघवेन्द्र सिंह, ने आज भेड़ाघाट क्षेत्र का दौरा कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का व्यक्तिगत रूप से जायजा लिया। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की जमीनी हकीकत को समझना और कार्य में गति लाना था।

श्री सिंह ने इस दौरान सर्वप्रथम गणना पत्रकों के संग्रहण की प्रक्रिया का गहन अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी आंकड़े त्रुटिरहित ढंग से संकलित किए जाएं। इसके साथ ही, उन्होंने मतदाता सूची संबंधी डेटा के डिजिटाइजेशन कार्य की वर्तमान स्थिति और उसकी गुणवत्ता के विषय में विस्तृत जानकारी ली।
निरीक्षण के दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी ने केवल प्रशासनिक कार्यों तक ही स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने भेड़ाघाट में उपस्थित आम नागरिकों से सीधे बातचीत की। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य लोगों को निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने आमजन को एसआईआर की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया, जिससे लोग बिना किसी परेशानी के इस सुविधा का लाभ उठा सकें और मतदाता सूची को और अधिक शुद्ध एवं अद्यतन बनाने में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पुनरीक्षण कार्य को समय-सीमा में, पूर्ण पारदर्शिता और सटीकता के साथ संपन्न करें।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

जीएसटी नियमों का पालन अनिवार्यः किराये के भुगतान पर RCM के तहत कर देयता की याद दिलाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कर सलाहकार राजीव नेमा, एडवोकेट (डी.पी. नेमा एंड एसोसिएट्स) ने पंजीकृत करदाताओं को महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए बताया है कि 1 अक्टूबर 2024 से व्यावसायिक अचल संपत्ति (आवासीय उपयोग से भिन्न) के किराये का भुगतान यदि किसी अपंजीकृत व्यक्ति को किया गया है, तो उस पर रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (RCM) के तहत जीएसटी का भुगतान अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि RCM के तहत जमा किया गया कर उसी माह में इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के रूप में उपलब्ध हो जाता है, जिससे करदाता को लाभ मिलता है। सलाहकार ने यह भी बताया कि यदि 10 अक्टूबर 2024 से अब तक ऐसे किसी किराये का भुगतान किया गया है और उसके विरुद्ध फ्ठट का भुगतान नहीं किया गया, तो करदाताओं को तुरंत कर जमा करने तथा उसका विवरण अक्टूबर माह की GSTR-3B में दशार्ने की आवश्यकता है, ताकि धारा 16(4) के अंतर्गत ITC का लाभ समय पर प्राप्त किया जा सके।

करदाताओं से अपील

उन्होंने सभी संबंधित करदाताओं से अनुरोध किया है कि वे शीघ्र अपने किराया भुगतान का विवरण उपलब्ध कराएँ, ताकि देय कर की सही गणना कर समय पर जमा किया जा सके।

संपूर्ण सुरक्षा सहित मंडी परिसर में पुलिस चौकी की मांग

लाखों की लूट के बाद एकजुट हुए व्यापारी, लुटेरों का फिलहाल सुराग नहीं

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गल्ला व्यापारी के मुनीम पर हमला कर 19 लाख रूपए की लूट करने वाले नकाबपोश लुटेरों का फिलहाल पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। विजय नगर पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीमें आरोपियों को दबोचने के लिए वारदात के बाद से सक्रिय हैं। इधर सनसनीखेज लूटकांड के बाद से मंडी व्यापरियों ने खरीदी-ब्रिकी का कार्य पूरी तरह से बंद कर दिया है। आज मंडी परिसर में व्यापारी संघ के अध्यक्ष के साथ पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने बैठक की, जिसमें व्यपारियों ने कहा कि मंडी प्रांगण की संपूर्ण सुरक्षा और तत्काल पुलिस चौकी खोली जाए। इससे पहले भी मंडी परिक्षेत्र में वारदातें हो चुकी हैं। व्यापारियों के साथ बैठक में पहुंचे अधिकारियों ने कहा कि व्यापारी सहित किसानों की संपूर्ण सुरक्षा की जिम्मेदारी के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। कृषि उपज मंडी के समीप स्कूटी सवार 2 नकाबपोश लुटेरों ने अनाज व्यापारी सतीश केसरवानी की कृषि उपज मंडी में दुकान है। बुधवार दोपहर उनका मुनीम विकास साहू बैंक से 19 लाख रुपए निकालने के बाद बाइक में सवार होकर दुकान लौट रहा था। कृषि उपज मंडी के गेट नंबर 1 के समीप पहुंचने पर एक नकाबपोश युवक ने उसके सिर पर रॉड से हमला कर दिया और रुपये से भरा बैग लेकर दूसरे साथी के साथ एक्टिवा में सवार होकर फरार हो गया था। वारदात की जानकारी मिलने पर एएसपी आयुष गुप्ता विजय नगर थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे थे। व्यापारियों ने कहा कि मंडी में रोजाना 15 से 20 करोड़ रुपए का भुगतान केस में होता है। दिनदहाड़े हुई वारदात से नाराज व्यापारियों ने कल मंडी का गेट बंद करते हुए पुलिस-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया था। नाराज व्यापारियों का कहना है कि मंडी सचिव को समय पर टैक्स देने के बाद भी सुरक्षा की कोई भी व्यवस्था नहीं है। आए दिन शराबखोरी, मारपीट और नशा करने वाले लोगों का घूमना आम हो गया है। व्यापारियों का कहना है कि कई बार मंडी प्रशासन को लिखित में शिकायत देते हुए सुरक्षा की मांग की गई, पर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, लिहाजा आज यह बड़ी घटना हो गई। जबलपुर अनाज एवं तिलहन व्यापारी संघ के अध्यक्ष दीपक डोंगरिया का कहना है, कि अब जब तक आरोपी पकड़े नहीं जाते, तब तक ना ही खरीदी होगी, और ना ही कोई भी व्यापारी नीलामी में शामिल होगा।

Mob.: 9770559042 Reg No. 48783
THE BEST ORTHO PHYSIOTHERAPY AND WELLNESS CENTRE
Dr. Riya Sonkar (PT) B.P.T., M.P.T. (Ortho) DNHE
Physiotherapist at GOVT RANIDURGAWATI (ELGIN) HOSPITAL JABALPUR
* Cupping & Manual Therapy
* Certified IASTM Therapist
* Certified Dry Needling Therapist
YOGA FITNESS CLASS ZUMBA
HOME VISIT AVAILABLE
64, Saket Nagar, Badi ukhri, Jabalpur (M.P.)
विशेष उपचार :-
Paralysis (लकवा)
Neck Pain (गर्दन दर्द)
Sciatica (सायटिका)
Frozen Shoulder (कंधे का दर्द)
Joint Pain (जोंड़ो का दर्द)
Osteoarthritis (बात)
Disc Prolapse/Slip disc (रीढ़ की हड्डी का खिसक जाना)
Facial Palsy etc (चेहरे का लकवा)
WEIGHT LOSS DIET
आधुनिक मशीनों एवं कसरत व व्यायम द्वारा उपचार किए जाते है

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

शराब दुकान पर ठेकेदार के कर्मचारियों ने युवको को दौड़ा-दौड़ा कर शराब की बोटल से मारा

क्षेत्र में तनाव, दोनो पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले के चचाई थाना क्षेत्र स्थित बरंगवा शराब दुकान में शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब शराब ठेकेदार के कर्मचारियों और दो युवको के बीच कीमत को लेकर हुए विवाद ने रक्तरंजित मारपीट का रूप ले लिया। देखते ही देखते शराब दुकान के बाहर चीख-पुकार मच गई, लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे। सूत्रों के अनुसार गौतम कोल और राकेश दास नामक युवक शराब लेने दुकान पहुंचे थे, जहां कथित रूप से कर्मचारियों ने प्रिंट रेट से ज्यादा कीमत वसूलने की कोशिश की। विरोध करने पर कर्मचारियों ने अचानक युवको पर टूट पड़ते हुए लाठी-डंडे व शराब की बोतलों से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने युवको को दुकान से बाहर तक दौड़ाया और बेरहमी से पीटा, इस दौरान बोतल फेंककर किए गए हमले में एक युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं तो दूसरे युवक के पैरो में। खून से लथपथ हालत में उसे तुरंत इलाज के लिए अनूपपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना से गुस्साए स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और शराब दुकान की मनमानी व कर्मचारियों की दबंगई के खिलाफ जोरदार विरोध किया। इधर, शराब दुकान संचालक पक्ष ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि युवको ने ही दुकान में घुसकर मारपीट करने आए थे, दोनों पक्षों के उलटे दावे सामने आने के बाद मौके पर तनाव फैल गया। मारपीट की वारदात स्थानीय लोगों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गई, जबकि दुकान के अंदर का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हुआ है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही मामला और तूल पकड़ गया। स्थिति बिगड़ते देख चचाई पुलिस को बीच-बचाव के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ काउंटर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल है और लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं इस पूरे मामले में चचाई थाना प्रभारी सुंदरेश मरावी का कहना है कि शराब के रेट को लेकर शराब ठेकेदार के कर्मचारी और कुछ लोगों के बीच विवाद के बाद मामला मारपीट में तब्दील हो गया था। दोनों की शिकायत पर से दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

शहर में बड़े वाहनों की पार्किंग से यातायात व्यवस्था बेहाल, जाम से परेशान जनता

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर/कोतमा। जिले के कोतमा नगर की प्रमुख सड़कों पर बड़े वाहनों जैसे ट्रक, ट्रेलर, डंपर और बसों की अवैध पार्किंग से शहर की यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सड़क किनारे वाहन खड़े रहने के कारण जाम की स्थिति रोजाना बन रही है और इससे आम नागरिकों को घंटों परेशान होना पड़ रहा है।

कोतमा नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों जैसे मुख्य बाजार रोड, रेलवे स्टेशन मार्ग, बस स्टैंड, मुखर्जी चौक, गांधी चौक, आजाद चौक, कोलरी संपर्क मार्ग और हाउसिंग बोर्ड चौराहा पर बड़े वाहनों की अवैध पार्किंग आम समस्या बन चुकी है। कई वाहन चालक सड़क किनारे ही ट्रक खड़ा कर आराम करते हैं, जबकि कुछ माल लादने और उतारने में घंटों सड़क पर रहते हैं। इसके कारण सड़क का बड़ा हिस्सा वाहन के कब्जे में चला जाता है। शेष आधे हिस्से में दोपहिया, चारपहिया और ऑटो यात्रियों को मुश्किल से गुजरना पड़ता है। स्थानीय नागरिक संजय निगम ने बताया, ह्लदोपहर और शाम के समय स्थिति बहुत खराब हो जाती है। ट्रक खड़े रहते हैं और पीछे वाहन कतार में लग जाते हैं। कई बार घंटों इंतजार करना पड़ता है।ह्व दुकानदारों का कहना है कि जाम की वजह से ग्राहक समय पर दुकान तक नहीं पहुँच पाते, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध पार्किंग रोकने के लिए स्थायी और पर्याप्त पार्किंग जोन बनाए जाएँ। नियमित गश्त और निगरानी हो। कड़ी और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

4 दिन से लापता महिला का कुएं में उतराता मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के देवदहा गांव में एक महिला का दो दिन पुराना शव एक कुएं में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। महिला पिछले चार दिनों से घर से लापता थी और परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई थी। पुलिस और परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन अब घर से लगभग दो किलोमीटर दूर कुएं में शव मिलने पर गांव में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। मृतका की पहचान 28 वर्षीय बेबी साहू पति चेतन साहू, निवासी करूआ के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक महिला 16 नवंबर की दोपहर घर से निकली थी लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। रात होने पर परिजनों ने कई जगह तलाश की पर उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद वे गोहपारू थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान देवदहा गांव में स्थित एक कुएं में ग्रामीणों को महिला का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि शव लगभग दो दिन पुराना है। महिला के लापता होने की सूचना पर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पीएम श्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ आज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पीएम श्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ अनूपपुर जिले के बालको हैलीपैड, जगतपुर अमरकंटक से 21 नवम्बर को निर्धारित समय-सारणी अनुसार होगा। हेलीकॉप्टर का संचालन निजी ऑपरेटर जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी को नोडल अधिकारी तथा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद अनूपपुर के प्रभारी अधिकारी उमेश कुमार पाण्डेय को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु विभागीय अधिकारियों एवं सेवा प्रदाताओं को विभिन्न कार्य सौंपे है।

राजस्व निरीक्षक की नियुक्ति अवैध, पार्षद ने सीएमओ से शिकायत कर की कार्यवाही की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। अनूपपुर नगर पालिका परिषद में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर नियुक्त गजाला परवीन अपनी नियुक्ति के साथ से विवादों में रही है या यूं कहें कि गजाला परवीन और विवाद साथ-साथ चलते है चाहे एक सेना के जवान से मंजूरी के नाम पर पैसे लेकर मंजूरी दिलवाने के मामले में ऑडियो वायरल होने का मामला हो या एक अनुसूचित जाति के बुजुर्ग से मंजूरी के नाम से हजारों रुपये लेकर पैसा हजम करने का मामला हो या अनाधिकृत व्यक्ति को नगर पालिका के कार्यो में संलिप्त करने का मामला हो गजाला परवीन हमेशा विवादों में रही है लेकिन अब गजाला परवीन की नियुक्ति ही विवादों में आ गई है, वार्ड नंबर 14 की पार्षद कंचन गजेंद्र सिंह ने उनकी नियुक्ति से संबंधित शिकायत मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर से कर कार्यवाई की मांग की है । शिकायत में संचनालय नगरीय प्रशासन एवं विकाश मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र का हवाला दिया गया है जिसमे वर्ष 2015- 2016 में की गई जांच में नियुक्ति अवैध होने का लेख किया गया है ।

यह है शिकायत

0गजाला परवीन सहायक राजस्व निरिक्षक नगर पालिका परिषद अनूपपुर के संदर्भ में संचालनालय, नगरीय प्रशासन एंव विकास, म. प्र. भोपाल द्वारा गजाला के प्रथम नियुक्ति को अवैध एंव शून्य माना गया है माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत रिट याचिका संख्या 198 / 1999 मनसूख लाल सराफ विरूद्ध अरूण तिवारी के अनुक्रम में किए गए जांच में इसकी पुष्टि की जा चुकी है जांच समिति एंव विभागिय प्रतिवेदन द्वारा यह स्पष्ट है कि

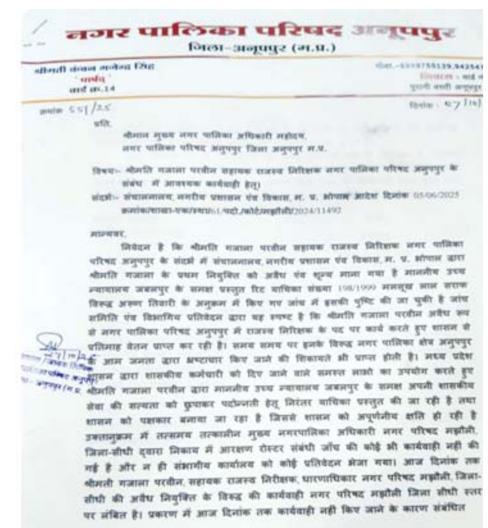
नगर पालिका परिषद अनूपपुर
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

गजाला परवीन अवैध रूप से नगर पालिका परिषद अनुपपुर में सहायक राजस्व निरिक्षक के पद पर कार्य करते हुए शासन से प्रतिमाह वेतन प्राप्त कर रही है। समय समय पर इनके विरूद्ध नगर पालिका क्षेत्र अनुपपुर के आम जनता द्वारा भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायते भी लगातार प्राप्त हो रही है। शासकीय कर्मचारी को दिए जाने वाले समस्त लाभो का उपयोग करते हुए म.प्र. श्रीमति गजाला परवीन द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष अपनी शासकीय सेवा की सत्यता को छुपाकर पदोन्नती हेतू निरंतर याचिका प्रस्तुत की जा रही है तथा शासन को पक्षकार बनाया जा रहा है जिससे शासन को अपूर्णनीय क्षति हो रही है । शिकायत में कहा गया है कि 2015-16 में की गई जांच में स्पष्ट किया गया है कि श्रीमति गजाला की नियुक्ति पूर्णतः अवैध है ? अतः उक्त संदर्भित पत्र के अनुक्रम में तत्काल कार्यवाही करते हुए तथा श्रीमति गजाला परवीन के विरूद्ध प्राप्त शिकायतो का निराकरण करते हुए शून्य एंव अवैध नियुक्ति को समाप्त किए जाने की कार्यवाही की जाए ।

इनका कहना है।

शिकायत मिली है अभी पूरे मामले की जांच करवाई जाएगी, जांच उपरांत विधि सम्मत कार्यवाई की जाएगी।

प्रदीप झरिया, सीएमओ,
नगर पालिका परिषद, अनूपपुर

पारे में गिरावट से जनजीवन प्रभावित, कोहरा और शीतलहर से आमजन परेशान

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर/कोतमा। जिले सहित आसपास के क्षेत्रो में इस समय ठंड ने अचानक करवट ले ली है। पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरते तापमान ने पूरे क्षेत्र में कड़ाके की ठिठुरन बढ़ा दी है। सुबह और देर शाम के समय चल रही बर्फीली हवाओं के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में संकोच कर रहे हैं। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, तापमान सामान्य से काफी नीचे पहुंच गया है, जिससे शीतलहर जैसे हालात बनने लगे हैं। घने कोहरे के कारण सड़कों पर विज़िबिलिटी बेहद कम हो गई है, जिसके चलते वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलने के

लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ठंड का सबसे ज्यादा असर दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों और खुले आसमान के नीचे काम करने वाले लोगों पर पड़ा है, जिन्हें अपनी रोजमर्रा की आजीविका चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बाजारों में भी ठंड का असर साफ दिखाई दे रहा है। सुबह और शाम के वक्त दुकानों पर ग्राहकों की संख्या कम हो रही है, जबकि कई दुकानदार तय समय से पहले ही शटर गिरा रहे हैं। वहीं, स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों की परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने विद्यालयों के समय में परिवर्तन करने के निर्देश जारी किए हैं।

धोखाधड़ी एवं गबन के मामले में नम्र फायनेंस कंपनी का फील्ड आफिसर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा नम्र फायनेंस कंपनी, शाखा अनूपपुर के फील्ड आफिसर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी निवासी ग्राम टेंघा, चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल को धोखाधड़ी एवं गबन में गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि अनूपपुर नगर के उज्जवला कालोनी में संचालित नम्र फायनेंस लिमिटेड कंपनी द्वारा जिले में ग्रामीण एवं निम्नवर्गीय महिलाओं को लोन उपलब्ध कराये जाने का कार्य करती है। जो उक्त कंपनी में कार्यरत फील्ड आफिसर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी के द्वारा कंपनी के ग्राहको से लोन की किश्त बसूली का कार्य किया जाता था, जो फील्ड आफिसर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी द्वारा 35 हितग्राहियों की लोन राशि कुल 302867 रुपए प्राप्त की जाकर कंपनी में जमा नहीं की गई और उक्त धनराशि का गबन कर कंपनी से काम छोड़ दिया गया। नम्र फायनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा अनूपपुर के शाखा प्रबंधक सचिन कुमार चौहान के द्वारा रिपोर्ट किये जाने पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 436/25 धारा 316(2), 316(5), 318(4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई। टी. आई. कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक संतोष कुमार वर्मा, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, आरक्षक अब्दुल कलीम एवं महिला आरक्षक अंकिता सोनी की टीम के द्वारा बुधवार को नम्र फायनेंस कंपनी के साथ धोखाधड़ी एवं गबन करने वाले आरोपी राजेन्द्र प्रसाद बौधरी पिता संतोष चौधरी उम्र 27 साल निवासी ग्राम टेंपा पीपलडोल पुलिस चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल को गिरफ्तार किया जाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किये जा रहे है।

दो माह से फरार नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले में गंभीर अपराध में दो माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भालूमाड़ा में अपराध क्रमांक 423/2025 धारा 64(2) (I), 64(2)(), 351 (3) बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत दर्ज मामले में आरोपी विनोद कुमार चौधरी (उम्र 38 वर्ष), निवासी चौंडी पॉडी, थाना भालूमाड़ा, जिला अनूपपुर, घटना के समय से ही फरार था। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने अपनी ही सौतेली नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसा

घिनौना कृत्य किया था। घटना सामने आने के बाद से आरोपी लगातार पुलिस की गिरफ्त से बचता फिर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी भालूमाड़ा के कुशल नेतृत्व में आरोपी की तलाश तेज की गई, जिसके तहत लगातार दो महीनों तक सघन प्रयास किए गए। आखिर में पुलिस टीम ने आरोपी विनोद चौधरी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। आरोपी को गिरफ़्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया है।

कलेक्टर ने बीएलओ को किया निलंबित

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षल पंचोली ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 87-अनूपपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 31 जमुड़ी की बीएलओ राजकुमारी सिंह को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लापरवाही बरतने के कारण की गई है। राजकुमारी सिंह, जो संकुल केंद्र शा. उ.मा.वि. सकरा के प्राथमिक शाला छीरापटपर में संविदा शिक्षक वर्ग-3 के पद पर कार्यरत हैं, उन्हें एसआईआर कार्य के तहत गणना पत्रक के वितरण और डिजिटाइजेशन का दायित्व दिया गया था। आरोप है कि उन्होंने इन महत्वपूर्ण दस्तावेजों को फेंक दिया और कोई कार्य नहीं किया। उनके इस कृत्य को सौंपे गए दायित्वों के प्रति अनुशासनहीनता और निर्वाचन कर्तव्य में लापरवाही माना गया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।